बृहस्पतिवार
14 दिसम्बर 2023

पृष्ठ 4

बाल सुखाने के लिए आप भी करते हैं हेयर ड्रायर का इस्तेमाल ?

पृष्ठ 5

मेरा पहला नॉवेल विद्रोही लड़की के सुपरहीरो में बदलाव की कहानी है:हुमा

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 300
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

कुल की प्रतिष्ठा भी विनम्रता और सदव्यवहार से होती है, हेकड़ी और रुआब दिखाने से नहीं।

— प्रेमचंद

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

दोहरे हत्याकांड का खुलासा, दो हत्यारोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बीते आठ दिसम्बर से लापता चल रहे व जंगल में मिले शाकिब के शव की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त तमंचा व कारतूस भी बरामद किया गया है। दोनो हत्यारोपियों द्वारा पूर्व में की गयी हत्या के पर्दाफाश होने से बचने व बैंक लूट में साथ न देने के कारण अपने ही साथी शाकिब की हत्या कर दी गयी थी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोभाल ने बतया कि लापता युवक साकिब का शव जंगल में मिलने पर मृतक के भाई मौहम्मद आलम निवासी लण्ढौरा मंगलौर की शिकायत पर कोतवाली मंगलौर पर नामजद आरोपियों उज्जवल व आदेश के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस द्वारा सर्विलांस एंव आवश्यक संसाधनों की सहायता से आज आसफ नगर से दोनों नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिनके

❑वारदात में प्रयुक्त दो तंमचे व कारतूस भी बरामद
❑बैंक लूट में साथ न देने पर की थी साथी की हत्या

कब्जे से हत्या में प्रयुक्त तमंचा व कारतूस भी बरामद किया गया है।

एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि आरोपी उज्जवल व आदेश वर्तमान समय में नगला इमरती में किराये के मकान में रहते थे। आरोपियों द्वारा मृतक साकिब के साथ मिलकर रुडकी सिविल लाईन स्थित एसबीआई बैक को लूटने की योजना बनाई गयी थी। बताया कि बीती 25 नवम्बर को बिझौली बाईपास पर नेत्रपाल की ट्रैक्टर ट्राली में रखें गन्ने से साइड लगाकर आरोपियों द्वारा नेत्रपाल की गोली मारकर हत्या की गई थी। जिस सम्बन्ध में मृतक के पुत्र द्वारा मुकदमा दर्ज कराया गया था। उन्होंने बताया कि हत्या की जानकारी होने पर बैंक लूटने में साथ देने से इंकार करने के कारण आरापियों उज्जवल व आदेश ने शाकिब की हत्या की। उन्हे डर था कि साकिब टैक्टर ट्राली वाली गोलीकांड की घटना व लूट सम्बन्धित सूचना पुलिस को न बता दे। पुलिस पूछताछ में पता चला कि उज्जवल हत्या के प्रयास तथा आदेश हत्या के मामले में बच्चा जेल में निरुद्ध थे जहां उन दोनों की मुलाकात कोतवाली मंगलौर से बलात्कार के मामले में आरोपी साकिब से हुई। जमानत पर छूटने पर तीनों ने सिविल लाईन रुड़की स्थित एसबीआई बैंक को लूट करने कि योजना बनायी थी।

एसएसपी ने बताया कि पकड़े गए आरोपी उज्जवल पुत्र सर्वेन्द्र निवासी शिवाजी कॉलोनी ढण्डेरा कोतवाली रुड़की

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

मिशन 2024 के लिए धामी सरकार का एजेंडा तय

❑यूसीसी और क्षैतिज आरक्षण बिल जनवरी में होंगे पारित
❑मंत्रिमंडल विस्तार व दायित्वों का होगा बंटवारा

विशेष संवाददाता

देहरादून। सिलक्यारा सुरंग हादसे के सफल रेस्क्यू और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के सफल आयोजन के जरिए जनता की वाहवाही और केंद्रीय नेतृत्व का आशीर्वाद लेने में कामयाब रहे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उनकी सरकार का टारगेट अब मिशन 2024 फतह करना है। अगर भाजपा 2024 में अपने पुराने प्रदर्शन को दोहराने में सफल हो जाती है तो फिर वह निश्चितता के साथ न अपनी वर्तमान पाली को खेल सकेंगी बल्कि उसके लिए भविष्य की राजनीति के लिए आगे के तमाम द्वार भी खुल सकेंगे।

मिशन 2024 की तैयारियों में जुटी प्रदेश भाजपा के लिए यूं तो लंबे समय से अनेक चुनावी कार्यक्रम गतिमान है लेकिन संगठन के साथ-साथ सरकार भी चुनाव से पहले किए जाने वाले ऐसे एजेंडें तय करने में जुटी है जो मिशन 2024 की राह को आसान बना सके। भाजपा जिसके बारे में कहा जाता है कि वह सही समय पर सही फैसला तो लेती ही है इसके साथ ही हर काम के लिए कौन सा समय सबसे मुफीद रहेगा यह भी तय करती है। उत्तराखंड में सवा साल पहले विधानसभा चुनाव के समय जो यूसीसी लाने का वायदा किया गया था उसे अब सरकार 2024 के आम चुनाव से पहले पूरा करने की तैयारी में है। सरकार चाहती तो इसे वह बहुत पहले ला सकती थी क्योंकि इसका ड्राफ्ट समिति के पास लंबे समय से तैयार पड़ा है। लेकिन अब सरकार जनवरी 2024 में आयोजित किए जाने वाले विशेष सत्र में इसे लाने की तैयारी में है। वहीं राज्य आंदोलनकारी के क्षैतिज आरक्षण बिल को सरकार इसी सत्र में पारित कराएगी। जो लंबे समय से लटका हुआ है। सरकार का मानना है कि यूसीसी का राज्य में लागू किया जाना और आंदोलनकारियों को 10 फीसदी क्षैतिज आरक्षण दिया जाना दोनों फैसलों का असर लोकसभा चुनाव पर पढ़ना तय है।

◀◀ शेष पृष्ठ 2 पर

टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन राज्यसभा से शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित

नई दिल्ली। टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन को शीतकालीन सत्र से निलंबित कर दिया गया है। उन पर सदन की कार्यवाही में बाधा डालने का आरोप है। अब वह पूरे सत्र में शामिल नहीं हो सकेंगे। संसद की सुरक्षा में चूक को लेकर विपक्षी

सांसदों की मांग है कि इस मामले में गृहमंत्री सदन में बयान दें और संसद की सुरक्षा को लेकर चर्चा की जाए। इस पर जब राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसद हंगामा कर रहे थे, तभी टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन वेल में आकर हंगामा करने लगे, जिसके बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ गुस्से में आ गए और जिसके बाद चेयर के साथ अपमानजनक व्यवहार के आरोप में टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन को सदन से सस्पेंड कर दिया। दरअसल जब सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसद हंगामा कर रहे थे, उसी समय डेरेक ओ ब्रायन वेल में आकर नारेबाजी करने लगे और वो चेयर की तरफ बढ़ रहे थे। उसके बाद सदन के स्पीकर जगदीप धनखड़ गुस्से में आ गए और उन्होंने डेरेक को तुरंत हाउस से बाहर जाने के लिए कहा। धनखड़ ने घोषणा की, डेरेक ओ ब्रायन इस सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किए जाते हैं।

मथुरा में शाही ईदगाह परिसर के एएसआई सर्वे को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अनुमति दी

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मथुरा में कथित शाही ईदगाह मस्जिद के अधिवक्ता आयुक्त द्वारा सर्वेक्षण की मांग करने वाली अर्जी पर फैसला सुनाया, जिसके तहत उच्च न्यायालय ने जन्मभूमि के सर्वे के लिए आयोग कोअनुमति दे दी है। न्यायालय ने हिन्दू पक्ष की याचिका को मंजूर करते हुए एएसआई को सर्वेक्षण की मंजूरी दी है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने ईदगाह कमेटी और वक्फ बोर्ड की दलीलों को खारिज कर दिया है। मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद के संबंध में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित मुकदमों में प्रार्थनाओं के भाग्य को प्रभावित करने की संभावना वाले एक महत्वपूर्ण आदेश

में, उच्च न्यायालय ने मंगलवार को निरीक्षण के लिए एक अदालत आयुक्त की नियुक्ति की मांग करने वाली याचिका को स्वीकार कर लिया है।

हिंदू पक्ष के वकील विष्णु जैन ने बताया, एडवोकेट कमिश्नर की नियुक्ति हम जारी कर रहे हैं। कोर्ट ने शाही ईदगाह परिसर के एएसआई सर्वे को मंजूरी दे दी है। हालांकि, एएसआई सर्वे कब से होगा, कितने लोग इसमें शामिल होंगे, ये सब 18 दिसंबर को तय होगा। दरअसल, भगवान श्री कृष्ण विराजमान और 7 अन्य लोगों ने वकील हरि शंकर जैन, विष्णु शंकर जैन, प्रभाष पांडे और देवकी नंदन के माध्यम से इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर एएसआई सर्वे की मांग की थी। याचिका में दावा किया गया था कि भगवान श्री कृष्ण का जन्मस्थान मस्जिद के नीचे है और वहां कई संकेत हैं जो स्थापित करते हैं कि मस्जिद एक हिंदू मंदिर था। अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन के अनुसार, श्आवेदन में इलाहाबाद हाई कोर्ट के समक्ष यह प्रस्तुत किया गया था कि वहां एक कमल के आकार का स्तंभ मौजूद है जो हिंदू मंदिरों की विशेषता है।

दून वैली मेल

संपादकीय

संसद में घुसपैठ, गंभीर मुद्दा

बीते कल एक बार फिर देश की संसद पर हुए हमले ने देश ही नहीं पूरे विश्व को चौंका दिया है। सवाल इस बात का नहीं है कि हमलावर देश के लोग हैं या विदेशी हैं और सवाल यह भी नहीं है कि इस हमले में क्या कुछ नुकसान हुआ है। सवाल यह है कि एक बार जो देश अपनी संसद पर हुए बड़े आतंकी हमले की त्रासदी से गुजर चुका हो उस देश की संसद की सुरक्षा को लेकर हमारी सरकार और सुरक्षा एजेंसियां कितनी सतर्क और चुस्त-दुरस्त हो पाई हैं? भले ही सत्ता में बैठे नेता इस हमले को मामूली घटना बताकर और सुरक्षा एजेंसियां हमलावरों को पकड़कर अपनी नाकामियों पर पर्दा डालने का प्रयास कर रही हों और कुछ पत्रकार तथा टीवी चैनल इसे राजनीति से प्रेरित विरोध प्रदर्शन बताकर इस बड़ी घटना को छोटी सी भूल या सुरक्षा चूक बताकर हल्की बनाने का प्रयास कर रही हों लेकिन सच यह है कि यह सरकार और हमारी सुरक्षा एजेंसियों की इतनी बड़ी नाकामी है जिसके कारण देश और लोकतंत्र की छवि को भारी नुकसान हुआ है। पूरे विश्व के सामने हमारी सुरक्षा एक मजाक बनकर रह गई है। कल्पना कीजिए कि जब 2001 में आतंकवादी संसद के अंदर प्रवेश भी नहीं कर सके तब क्या हुआ था हमने अपने 9 सुरक्षा कर्मियों का बलिदान कर दिया था। कल जब दो लोग अनाधिकृत रूप से लोकसभा सदन चले गए और उन्होंने संसद को धुआं ध आं कर दिया अगर यह आतंकवादी होते तो क्या होता? इसलिए इसे सुरक्षा में चूक बता कर नजर अंदाज नहीं किया जा सकता है। जिस संसद पर एक बार इतना बड़ा आतंकी हमला हो चुका उस संसद में अगर हमले की बरसी वाले दिन इतनी बड़ी घुसपैठ हो जाए वह भी स्मोक क्रेकर के साथ तो इसका सीधा अर्थ है कि कोई कुछ भी कर सकता है। इस धुएं की जगह कोई जहरीली गैस भी हो सकती थी। या कोई खतरनाक विस्फोटक भी हो सकता था। इसे गनीमत ही समझिए जो कुछ भी नहीं हुआ वरना इसका नतीजा इतना घातक भी हो सकता था जो आज तक किसी देश की संसद में नहीं हुआ है। इस मामले की सबसे अहम बात यह है कि हमारी सुरक्षा एजेंसियों को 13 दिसंबर को इस तरह की घटना का इनपुट 15 दिन पूर्व ही मिल गया था तब भी सरकार और सुरक्षा एजेंसियां इसे नहीं रोक सकी। एक तरफ हम अपनी ताकत का ढिंढोरा पूरे विश्व में पिटते फिर रहे हैं। यह आज का नया भारत है जो घर में घुसकर मारता है। वही हमारी सुरक्षा व्यवस्था का हाल यह है कि हम अपनी संसद तक की सुरक्षा करने में नाकाम साबित हो रहे हैं। भारत ने गणतंत्र दिवस पर आयोजित होने वाले समारोह में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को आमंत्रित किया है। हमारी इस सुरक्षा व्यवस्था को देखकर अब जो बाइडन और अमेरिकी भी सोच रहे होगें कि उन्हें भारत जाना चाहिए या नहीं। निश्चित तौर पर इस घटना ने देश को तो झकझोर कर ही रख दिया है। इसके साथ-साथ पूरे विश्व में भारत की साख को खराब कर दिया है। इस घटनाक्रम से मिली जानकारी के अनुसार संसद में घुसपैठ करने वाले दो आरोपियों को भाजपा सांसद प्रताप सिंह की संस्तुति पर ही पास जारी किए गए। इस पूरे घटनाक्रम का क्या सच है? संसद में इस तरह घुसपैठ और आतंक फैलाने के पीछे उनका क्या उद्देश्य था इसका पूरा सच जांच के बाद ही सामने आएगा। लेकिन छह राज्यों के 6 अलग-अलग युवा अगर मिलकर इस तरह से सुसंगठित ढंग से किसी घटना को अंजाम देते हैं तो वह बिना किसी मकसद के नहीं हो सकता है। यह घटना देश की सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक ऐसा सबक है जिसे गांठ बांध ने की जरूरत है। यह भी स्वाभाविक है कि इस घटना से विपक्ष को एक और राजनीतिक मुद्दा हाथ लग गया है। लेकिन भाजपा को भी चाहिए कि वह इस अति संवेदनशील घटना को लेकर विपक्ष को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश न करें। पक्ष विपक्ष दोनों को ही इस मुद्दे पर राजनीति कतई भी नहीं करनी चाहिए। मीडिया द्वारा इस घटना की लिंक अपने-अपने तरीके और सुविधाओं के हिसाब से जोडे तोडे जा रहे हैं लेकिन इस पूरे घटनाक्रम की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए तथा संसद में आगे इस तरह की घटनाओं की पुर्नवृत्ति न हो सके यह भी सरकार और सुरक्षा एजेंसियों को सुनिश्चित करना होगा।

मिशन 2024 के लिए धामी सरकार... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

भाजपा द्वारा इन दोनों ही मुद्दों पर आम लोगों की राय जान ली गई है। भाजपा के लिए यह दोनों ही मुद्दे बड़े चुनावी लाभ वाले साबित होने जा रहे हैं। इसके अलावा सरकार जिस मंत्रिमंडल विस्तार के मुद्दे पर अब तक चुप्पी साधे बैठी रही है उसका भी मुफीद समय अब नजदीक आ चुका है। मंत्रिमंडल में खाली पड़े इन पदों को नए साल के शुरुआत में ही भरा जा सकता है। वही दायित्व बांटने के काम में अब तेजी देखने को मिल सकती है। मुख्यमंत्री धामी अब तक कार्यकाल में स्वयं को अब तक का सबसे बेहतर मुख्यमंत्री साबित करने में कामयाब रहे हैं। पीएम मोदी और गृहमंत्री अब तक कई बार उन्मुक्त कंठ से उनकी तारीफ कर चुके हैं। उत्साह से लबरेज धामी अब लंबी छलांग लगाने की तैयारी में है और इसके लिए उन्होंने मिशन 2024 के लिए अपना एजेंडा सेट कर दिया है।

पवस्व गोजिदश्वजिद्विश्वजित्सोम रण्यजित्।
प्रजावद्रत्नमा भर।।

(ऋग्वेद ९-५९-१)

हे सोम ! आप जीवन के जीवन हो। आप मन और इंद्रियों पर विजय प्राप्त कराते हो। आप सभी पदार्थों के विजेता हो। आप हमें हीरे जैसी संताने प्रदान करें।

महिला पॉलीटेक्निक में किया आभार समारोह का आयोजन

हमारे संवाददाता

देहरादून। बी.एस.महिला पालीटेक्निक में आभार समारोह का आयोजन किया गया। सामारोह में मुख्य अतिथि श्रीमती शोभना वाही फांउडर पेट्रन रही। जिनके द्वारा छात्राओं को शोभना वाही छात्रवृत्ति प्रदान की गयी।

बी.एस.नेगी महिला पालीटेक्निक सभागार में श्रीमती शोभना वाही के सम्मान में आभार समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। जिनका स्वागत प्रधानाचार्य द्वारा पुष्प गुच्छ देकर किया गया। जिसके बाद छात्राओं द्वारा मंगलगान व कृष्ण स्तुति की भावपूर्ण प्रस्तुति दी गयी।

संस्थान की स्थापना श्रीमती शोभना वाही द्वारा 1987 में की गयी थी। उनके स्नेह और मार्गदर्शन से संस्थान निरंतर प्रगति की ओर बढ़ रहा है। इस मौके पर प्रधानाचार्य द्वारा मुख्य अतिथि शोभना

वाही का आभार व्यक्त किया गया और कहा गया कि वह संस्थान की सफलता का एक बड़ा कारक रही है। कहा कि संस्थान परिवार उनके द्वारा शुरू किये गये इस सराहनीय कार्य के लिए सदैव उनका आभारी रहेगा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा दो छात्राओं ईशा एंव शिवानी (एम.ओ. एम. एंड एस.पी. विभाग) को शोभना वाही छात्रवृत्ति प्रदान की गयी। कार्यक्रम में राकेश वाही, सलोनी वाही, सना वाही, नितारा वाही व संस्थान के पूर्व अध्यक्ष सुंदरलाल एंव संस्थान के पूर्व कर्मचारी उपस्थित रहे।

करोड़ों की ठगी करने वाला राजस्थान से गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। लगभग दो करोड़ की ठगी करने वाले आरोपी को एसटीएफ द्वारा राजस्थान से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी द्वारा स्वंय को विभिन्न नामी-गिरामी कम्पनियों का एग्जूटिव बताते हुये टेलीग्राम व यूट्यूब के माध्यम से यू ट्यूब वीडियो को फॉलो, लाईक एवं सब्स्क्राईब करने के नाम पर घर बैठे लाभ कमाने का लालच देकर लाखों रुपये की धोखाधडी को अंजाम दिया जा रहा था। जिसकी तलाश पांच अलग-अलग राज्यों की पुलिस कर रही थी।

एसटीएफ कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार बीते दिनों साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन में हरिद्वार निवासी एक व्यक्ति द्वारा शिकायत की गयी कि उसके साथ अज्ञात लोगों द्वारा स्वंय को इण्टीग्रिटी कम्पनी का एच.आर. मैनेजर बताते हुये यू ट्यूब व इंस्टाग्राम वीडियो को फॉलो, लाईक एवं सब्स्क्राईब करने के टास्क के नाम पर जल्दी पैसा कमाने का लालच देकर उसके साथ धोखाधड़ी कर विभिन्न बैक खातो में लगभग 19,24,053/- (उन्नीस लाख चौबीस हजार त्रेपन रुपये) की धनराशि की ठगी की गयी है। मामले में साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन देहरादून पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान तकनीकी विश्लेषण से प्रकाश में आया कि इस प्रकरण का मुख्य आरोपी नरेन्द्र दुखिया पुत्र राम नारायण दुखिया निवासी ग्राम गिरावण्डी, तहसील खुमसर जिला नागौर राजस्थान है। जिसके द्वारा ठगी में प्रयुक्त बैंक खाते संचालित किये जा रहे है। जिस पर एसटीएफ द्वारा राजस्थान पहुंच कर उसे पकड़ लिया गया। जिसने पूछताछ में बताया कि उसके द्वारा अपने दोस्त हरचंद दारा के नाम पर उक्त खाता खुलवाया गया था तथा ट्रेडिंग के नाम पर मुख्य आरोपी जिसको वह नहीं जानता था वह पैसे ट्रांस्फर करता था। बहरहाल एसटीएफ द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

सफाई मजदूर संघ ने डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन कर सीएम को भेजा ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ ने जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ के बैनर तले सफाई कर्मचारी नगर निगम में एकत्रित हुए जहां से उन्होंने जिलाधिकारी कार्यालय के लिए कूच किया। जिला मुख्यालय पहुंचकर उन्होंने प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ, उत्तराखण्ड शाखा निरंतर मुख्य मांगो को पूरा कराए जाने हेतु, वार्ताओं व पत्राचार के माध्यम से संघर्षरत हैं। परन्तु माह सितम्बर में सचिव शहरी विकास विभाग उत्तराखण्ड शासन से वार्ता का कोई हल नहीं निकला साथ ही संघ द्वारा राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग भारत सरकार की सम्मानित उपाध्यक्षा के माध्यम से भी मुख्यमंत्री से पत्राचार किया गया। अनेकों बार मुख्यमंत्री से वार्ता करने के प्रयास किये गए, परन्तु विधिवत प्रक्रिया के द्वारा हमें कोई भी उत्तर नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड के समस्त निकायों (नगर निगम, नगर पालिका परिषद् व नगर पंचायत) से ठेकेदारी प्रथा, संविदा, गेंग, नई पार्षद, पुरानी समिति व दैनिक मजदूर आदि की शोषणकारी व्यवस्था समाप्त करते हुए उक्त सभी गैर सरकारी, कार्यरत सफाई कर्मियों को तुरंत नियमित किया जाये। डॉ. ललित मोहन रयाल कमेटी की सिफारिशो को तुरंत लागू किया जाये। पुरानी पेंशन लागू की जाये। उन्होंने चेतावनी दी है कि उपरोक्त बिन्दुओं पर 15 दिवस में कार्यवाही न होने की दशा में अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ उत्तराखण्ड शाखा एक जनवरी-2024 से अनिश्चितकालीन आन्दोलन व हड़ताल को विवश होगा। क्योंकि वह डॉ. रयाल कमेटी की रिपोर्ट जमा होने के पश्चात से विगत दो वर्षो से निरंतर मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड सरकार, निदेशक, सचिव शहरी विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन, राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग, भारत सरकार तथा उत्तराखण्ड अनुसूचित जाती आयोग द्वारा बार बार बैठक / पत्राचार के माध्यम से निराकरण की अपील की साथ ही यह भी अवगत कराया की कर्मचारियों में रोष है परन्तु सफाई कर्मियों के प्रति अमानवीय दृष्टिकोण रखते हुए, अनेकों आग्रह के पश्चात भी सरकार व शासन की तरफ से कोई भी सुसंगत जवाब नहीं मिला और ना ही कोई बैठक हुई।

पिछले वर्ष अगस्त 2022 में उत्तराखण्ड विधानसभा में भी रयाल कमेटी की सिफारिशों को लागू कराएँ जाने हेतु, हमारे आग्रह पर ज्वालापुर ग्रामीण विध ानसभा के मा. विधायक जी ने प्रश्न उठाया था ध जिसके जवाब में वर्तमान शहरी विकास मंत्री मा. प्रेमचंद अग्रवाल जी ने जल्द ही सिफारिशो को लागु करने व रयाल कमेटी पर कार्यवाही गतिमान होने का आश्वासन दिया था ध परन्तु 15 माह बीतने के पश्चात भी रयाल कमेटी की सिफारिशे लागू न होने व सरकार/ शासन के लिखित आश्वासन के पश्चात भी पर्यावरण पर्यवेक्षक के पदों पर सीध ी भर्ती की परीक्षा आयोजित करवाए जाने के कारण से उत्तराखंड के सफाई कर्मी हताशा व निराशा से भरे हुए हैं ध हम लगातार अनेकों माध्यमों से सरकार व शासन से वार्ता कर निराकरण की गुहार लगा रहे है। परन्तु हमें न्याय नहीं मिल रहा है।

सर्दियों में आँतों और पेट के लिए बेहद फायदेमंद है मूली

मूली तो आप सब जानते ही हैं सर्दियों में मूली को सलाद के रूप में खाया जाता है कुछ लोग इसकी सब्जी भी बना लेते हैं। मूली खाने में तीखी होती है लेकिन पोष्टिक तत्वों से भरी है। मूली केवल स्वाद बढाने के लिए नहीं है, बल्कि इसके चिकित्सकीय गुण इतने अधिक है, न केवल मूली बल्कि इसके पत्ते भी कफ, पित्त और वात तीनों दोषों को नाश करने में मदद करते हैं। मूली खाने में तीखी होती है लेकिन पोष्टिक तत्वों से भरी है। मूली खाने के बहुत सारे फायदे हैं। नियमित रूप से मूली खाने वाले व्यक्ति को कोई रोग नहीं होता। मूली को कच्चा खाना विशेष रूप से लाभ देता है। मूली पतली ली जानी चाहिए। ज्यादातर लोग मोटी मूली लेना पसंद करते हैं, क्योंकि वह खाने में मीठी लगती है परन्तु गुणों में पतली मूली अधिक श्रेष्ठ है। आइए जानते हैं इसके अनेक फायदे।

मूली खाने के फायदे:

-मूली की तासीर ठंडी होती है, लेकिन यह आपको सर्दी-जुकाम से लड़ने में मदद कर सकती है। मूली खाने से जुकाम से बचे रह सकते हैं। इसलिए इस मौसम में अपने इम्यूनिटी सिस्टम को स्ट्रॉन्ग करने के लिए खाने में मूली को शामिल जरूर करें।

मूली आपकी भूख को बढ़ाती है और आपके पाचन तंत्र को बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करती है। गैस की परेशानी में खाली पेट मूली के टुकड़ों का सेवन फायदेमंद होता है।

मूली उच्च रक्तचाप को भी नियंत्रण में रखने का काम करता है। मूली में पोटैशियम होता है जो खाने में सोडियम की अधिक मात्रा को नियंत्रित करके शरीर को उच्च रक्तचाप के खतरे से बचाता है।

पीलिया आदि होने पर जोकि सामान्यत: लीवर के खराब होने से होता है। मूली का सेवन विशेष लाभ देता है। मूली शरीर से कार्बन डाई ऑक्साइड निकालकर ऑक्सीजन प्रदान करती है। थकान मिटाने और अच्छी नींद लाने में मूली का विशेष योदान होता है। यदि सूखी मूली का काढा बनाकर जीरे और नमक के साथ उसका सेवन किया जाए, तो न केवल खांसी बल्कि दमे के रोग में भी लाभ होता है।

इंटरनेट की गुलामी में शीश नवाती पीढ़ी

शमीम शर्मा

गिनती अगर देश में वर्तमान समस्याओं की की जाये तो सबसे ऊपर युवाओं से जुड़ा मुद्दा उभरता है। कुछ साल पहले तक युवाओं की मुख्य समस्या थी- बेरोजगारी, फैशन और दिशाहीनता। पर अब ये नेपथ्य में चली गयी हैं। अब है उन्हें मोबाइल में मिलने वाला डाटा। जैसे छोटे बच्चों को स्कूल में आधी छुट्टी में मस्ती करने के लिए पहले अठन्नी-चवन्नी मिला करती, अब उसी तर्ज पर युवाओं को डेढ़ या दो जीबी डाटा रोजाना मिलने लग गया है। कइयों को अनलिमिटेड मिल रहा है। और युवाओं का काम है इस डाटा को रोज की रोज खपाना। एक नेता जी अपने भाषण में कह रहे थे-देश का युवा अब जाग चुका है, अब ये उठेगा, ब्रश करेगा और डेढ़ जीबी खत्म करके ही सांस लेगा।

गर युवा वर्ग मोबाइल डाटा के उपभोग में ही बावला हुआ बैठा रहा तो देश की बाकी समस्याओं का क्या होगा? स्थिति बेहद भयावह है। उम्र के जिस मुकाम पर करिअर और देश निर्माण के सपने देखे जाते हैं, अगर वह अवधि मोबाइल पर अपलोड और डाउनलोड में निकाल दी जाये तो देश की भावी तस्वीर का अन्दाजा लगाना कठिन कार्य नहीं है। पटरी से उतरती युवा पीढ़ी के उत्साहहीन होने का इल्ज़ाम पहले हम अंग्रेजी भाषा और शिक्षा प्रणाली पर लगाया करते किंतु अब दोष सिर्फ और सिर्फ मोबाइल के माथे पर ही मढ़ा जा सकता है। इंटरनेट के आविष्कारक ने जरूर सोचा होगा कि समय बचेगा पर उसके सपने में भी ख्याल नहीं होगा कि समय का कचरा हो जायेगा और युवा इंटरनेट का गुलाम हो जायेगा। युवाओं की फौज पीढ़ी गर्दन उठाकर जीना ही भूलती जा रही है क्योंकि सारा दिन गर्दन मोबाइल पर झुकी रहती है। दो टाइम डीपी बदलना ही युवा का लक्ष्य बन चुका है। अगर फेसबुक, या व्हाट्सएप की मदद से नौजवान पीढ़ी कमाई करना चाहती है तो उन्हें चाहिए कि ये दोनों ही एप डिलीट करके कामधंधे में जुट जायें। कभी-कभी इंटरनेट की स्पीड इतनी मंदी होती है जैसे कोई परेशान मन से अपनी पत्नी को मायके से वापस लाने जा रहा हो। रूठी हुई महबूबा और गिरड़-पिरड़ कर चलता इंटरनेट सचमुच युवाओं के लिए बहुत तकलीफदेह हैं।

पथरी से बचने के लिए लिक्विड डाइट हो सकती है फायदेमंद

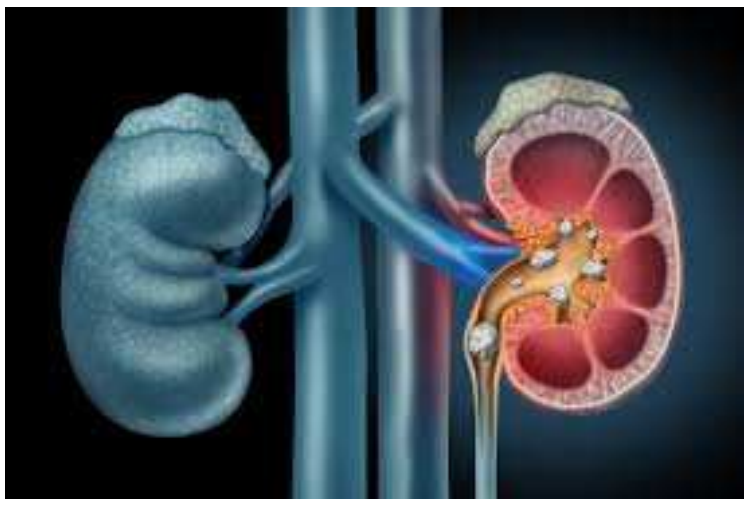

आजकल के खानपान से वैसे तो कोई भी बीमारी कब किसे अपनी चपेट में ले ले, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है, लेकिन पथरी एक ऐसी बीमारी है जिससे हर घर में 1 सदस्य जरूर पीड़ित होता जा रहा है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) का कहना है कि 13 प्रतिशत पुरुषों और सात प्रतिशत महिलाओं में गुर्दे की पथरी की समस्या पाई जाती है। आईएमए के अनुसार, पूरे दिन में तरल पदार्थो का सेवन बढ़ाने से गुर्दे की पथरी के बार-बार होने का जोखिम आधा रह जाता है और इसका कोई दुष्प्रभाव भी नहीं होता। अनुसंधान से पता चलता है कि गुर्दे की पथरी वाले लोगों में क्रोनिक किडनी रोग होने का काफी अधिक जोखिम रहता है।

डॉ. के के अग्रवाल ने कहा, शरीर में पानी की कमी गुर्दे की पथरी का मुख्य कारण है। यूरिक एसिड (मूत्र का एक घटक) पतला करने के लिए पर्याप्त पानी चाहिए होता है और ऐसा न होने पर मूत्र अधिक अम्लीय बन जाता है। यह अम्लीय गुर्दे की पथरी बनने का कारण होता है। गुर्दे की पथरी गोल्फ की एक गेंद के रूप में बड़ी हो सकती है। यह एक क्रिस्टल जैसी संरचना होती है।

उन्होंने कहा, कुछ मामलों में ये इतने छोटे हो सकते हैं कि मूत्र के साथ बाहर निकल जाते हैं और व्यक्ति का इस ओर ध्यान भी नहीं जाता। हालांकि, इस प्रक्रिया में अत्यधिक दर्द हो सकता है। अगर गुर्दे की पथरी शरीर के अंदर रहती है, तो वे अन्य जटिलताएं पैदा कर सकती है, जैसे मूत्र की रुकावट।

डॉ. अग्रवाल ने कहा, गुर्दे की पथरी के लक्षण तब शुरू होते हैं जब वे मूत्रवाहिनी की ओर जाते हैं। इसके सामान्य लक्षणों में मूत्र नली के आसपास गंभीर दर्द, मूत्र में रक्त, उल्टी और मितली, मूत्राशय में सफेद रक्त कोशिकाओं या मवाद का होना, मूत्र की मात्रा में कमी, मूत्र करते समय जलन, बार-बार मूत्र की इच्छा होना और बुखार और ठंड लगना प्रमुख हैं।

कुछ दवाएं गुर्दे की पथरी के जोखिम को बढ़ा सकती हैं। विटामिन-डी और कैल्शियम की खुराक लंबे समय तक लेने पर कैल्शियम का स्तर बढ़ जाता है। गुर्दे की पथरी के लिए यह भी एक कारक हो सकता है। प्रोटीन और सोडियम अधिक और कैल्शियम का कम सेवन भी इसका एक कारक हो सकता है।

उन्होंने कहा, एक जगह बैठे रहने और मोटापे के अलावा उच्च रक्तचाप और कैल्शियम का शरीर में अवशोषण कम होने से भी पथरी हो सकती है। इन उपायों को अपनाकर गुर्दे की पथरी को काफी हद तक रोका जा सकता है :

* गुर्दे की पथरी से बचने का एक अच्छा तरीका है कि तरल पदार्थो का अधिक सेवन किया जाए। कम पानी पीने से पथरी हो सकती है।

* आहार में सोडियम कम करें। मूत्र में लवण बढ़ने से कैल्शियम की मूत्र से रक्त में पुन: अवशोषण की प्रक्रिया धीमी होती जाती है और गुर्दे की पथरी हो सकती है।

* ऑक्सलेट वाले खाद्य पदार्थो को सीमित करें। आमतौर पर चॉकलेट, बीट्स, नट्स, पालक, स्ट्रॉबेरी, चाय और गेहूं की चोकर में ऑक्सलेट अधिक पाया जाता है।

* पशु प्रोटीन कम खाएं। पशु प्रोटीन में अम्लीय पदार्थ अधिक होते हैं और यूरिक एसिड में वृद्धि होती है। उच्च यूरिक एसिड से पथरी बन सकती है।

थोड़ी सी लापरवाही दातों पर पड़ सकती है भारी

सफेद मोतियों जैसे दांत इंसान के व्यक्तिव का पता बताते हैं। हर किसी की चाहत होती है कि दांत बदबूदार रहित हो। उसमें सड़ान और सूराख पैदा न होने पाए। विशेषज्ञों का मानना है कि करीब आधी बीमारियां खराब दांतों की वजह से होती हैं। इसलिए दांत इंसानी शरीर का बेहद अहम हिस्सा होते हैं। जीवित रहने के लिए इंसान खाने-पीने पर निर्भर होता है और खाने के लिए स्वस्थ दांत जरूरी हैं क्योंकि पेट तक पहुंचनेवाली खुराक दातों के माध्यम से जाती है। मसूढ़ों के अंदर पीप आहार के साथ पेट में दाखिल होते हैं। जिसकी वजह से लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कभी-कभी दांत इतने खराब हो जाते हैं कि आहार लेना मुश्किल हो जाता है। सिर्फ मुलायम खाने पर ही गुजारा करना पड़ता है। इसलिए दांतों की सफाई अगर बचपन से ही शुरू की जाए तो बरसों तक उसके खराब होने की आशंका नहीं रहती है। जब भी दांतों में कोई बीमारी लगती है तो इसके पीछे हमारी लापरवाही मुख्य वजह होती है।

दांतों को बदबूदार रहित, चमकीला और स्वस्थ बनाए रखने के लिए खाने के बाद अच्छी तरह साफ करना जरूरी होता है?। वरना खुराक दातों में फंस जाते हैं और कुछ समय बाद उसमें सड़ान की प्रक्रिया शुरू जाती है। दातों के लिए इस्तेमाल किए जानेवाले ब्रश ज्यादा नरम और ज्यादा कड़े नहीं होने चाहिए। दांतों की सुरक्षा के लिए जरूरी है दांतों की अच्छे तरीके से सफाई। विशेषज्ञों के मुताबिक एक ही ब्रश कई महीनों तक इस्तेमाल नहीं किए जाने चाहिए। उनकी सलाह है कि तीन महीने बाद ब्रश जरूर बदल लें। दांतों में फंसी हुई खुराक निकालने के बाद ही ब्रश शुरू करना चाहिए। दांत साफ करते वक्त ब्रश को कलम लिखने की स्टाइल में पकड़ना चाहिए। स्टैंडर्ड टूथ ब्रश और पेस्ट से दांतों और मसूढ़ों को स्वस्थ रखा जा सकता है। दातों में सूराख का हो जाना उसे कमजोर करता है साथ ही मसूढ़ों को भी प्रभावित करने का कारण बनता है। इसलिए फ्लोराइड वाले टूथ पेस्ट इस्तेमाल किए जाने चाहिए। फ्लोराइड सूराख के खिलाफ दांतों में प्रतिरोधक पैदा करता है।

सूर्या ने घरेलू उपकरणों की अत्याधुनिक रेंज के साथ कंज्यूमर ड्यूरेबल्स का नजरिया बदला

देहरादून (कासं)। पिछले 50 वर्षों से कारोबार में संलग्न सूर्या रोशनी लाइट, पंखे, इलेक्ट्रिक वॉटर हीटर, घरेलू उपकरण, स्टील पाइप और पीवीसी पाइप उद्योग में भारत के सबसे जाने-माने और भरोसेमंद ब्रांडों में से एक है। सूर्या भारत में ब्रांडेड लाइटिंग प्रोडक्ट का सबसे बड़ा निर्माता है जो निरंतर प्रगति करते हुए अपने उद्योग में एक मानक स्थापित करता है।

लाइटिंग और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स जीतेंद्र अग्रवाल ने बताया कि हमारी टीम के अथक प्रयास, समर्पण और इनोवेशन से ही आज हम ग्राहकों की पसंद के उपकरणों की बड़ी रेंज पेश करने में सफल रहे हैं। ग्राहकों की नई-नई जरूरतों और चाहतों को पूरा करने के लिए सूर्या गुणवत्ता, विश्वसनीयता और टेक्नोलॉजी जैसे बुनियादी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए नए-नए प्रोडक्ट पेश करती रहेगी। उन्होंने कहा सूर्या एक बार फिर कंज्यूमर ड्यूरेबल्स बाजार का नया नजरिया पेश करते हुए पूरे देश के बाजारों से जुड़कर अपनी नई सीरीज के उपकरणों और बीईई रेटेड सीलिंग पंखे लॉन्च करने के लिए तैयार है। ये पंखे कार्य क्षमता और सुंदरता की नई मिसाल हैं। सूर्या ने आज के ग्राहकों की ऊंची पसंद को देखते हुए बीईई स्टार लेबल के साथ नए सीलिंग पंखे लॉन्च किए, जो न केवल घर की खूबसूरती बढ़ाते हैं, बल्कि साल-दर-साल प्रति पंखा' 1000 - 1800 रुपये की बचत भी करते हैं। पहली बार पेश इस 5-स्टार बीईई रेटेड पंखे में इनोवेटिव इंडक्शन मोटर लगा है। नए जमाने के 5-स्टार बीईई रेटिंग वाले क्यूबिक्स वॉटर हीटर की अपनी खास खूबियां हैं, रेक्टैंगुलर डिजाइन, व्हर्ल फ्लो तकनीक और बिजली की बचत। यह खास कर हार्ड वॉटर और ऊंची इमारतों के लिए बेजोड़ हीटर है और इससे बिजली बिल भी कम आता है। सूर्या के इंडक्शन कुकटॉप के डिजाइन में बिजली बचत का खास ध्यान रखा गया है इसलिए यह खाना पकाने का अभूतपूर्व अनुभव देगा। नई पेशकश इन्फ्रा रेड गोल्ड कुकटॉप्स की मौजूदा रेंज से अधिक विश्वसनीय और काम में तेजी का भरोसा देती है।

विपक्ष के लिए विचारणीय

बेशक, आज भाजपा के पास अकूत संसाधन हैं। लेकिन उसकी जीत का सिर्फ यही कारण नहीं है। बल्कि वह अपनी हिंदुत्व की राजनीति के पक्ष में इतनी ठोस गोलबंदी कर चुकी है कि चुनावों में उसे परास्त करना अति कठिन हो गया है। चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजों का केंद्रीय संदेश यह है कि विपक्ष के पास भारतीय जनता पार्टी की राजनीति की कोई काट नहीं है। तेलंगाना का नतीजा अपवाद है- इसलिए कि वहां सत्ता एक गैर-भाजपा पार्टी के हाथ से निकल कर दूसरी गैर-भाजपा पार्टी के हाथ में गई है। इससे राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा को कोई नुकसान नहीं होगा। असलियत तो यह है कि वहां भी भाजपा ने अपनी सीट और वोट प्रतिशत में इजाफा ही किया है। बहरहाल, आज भी भाजपा का मुख्य गढ़ हिंदी भाषी प्रदेश और देश का पश्चिमी हिस्सा हैं। जिन तीन हिंदी प्रदेशों में चुनाव हुआ, वहां भाजपा ने अपना दबदबा फिर दिखा दिया है। स्पष्ट है कि इन तीन राज्यों में मुख्य विपक्षी पार्टी यानी कांग्रेस भाजपा से होड़ में आगे निकलने का तोड़ नहीं ढूंढ सकी। इसकी वजह यह है कि जहां 2014 के बाद भारतीय राजनीति का संदर्भ बिंदु आमूल रूप से बदल चुका है, वहीं ये पार्टी (वैसे तमाम विपक्षी पार्टियों का यही हाल है) अपने अतीत और कुछ सियासी टोना-टोटकों से भाजपा को हरा देने की जुगत से ज्यादा नहीं सोच पाती। बेशक, आज भाजपा के पास धन एवं प्रचार माध्यमों के रूप में अकूत संसाधन हैं। लेकिन उसकी जीत का सिर्फ यही कारण नहीं है। बल्कि वह अपनी हिंदुत्व की राजनीति के पक्ष में इतनी ठोस गोलबंदी कर चुकी है कि चुनावों में उसे परास्त करना अति कठिन हो गया है। राष्ट्रवाद को हिंदुत्व के नजरिए से परिभाषित कर उसने बड़ी संख्या में लोगों की मन-मस्तिष्क में पैठ बना ली है। दूसरी तरफ विपक्ष में कोई भाजपा की वैचारिक शक्ति का विकल्प तैयार करने का प्रयास करता हुआ भी नहीं दिखता है। संभवतः विपक्षी दलों को लगता है कि वे मतदाताओं को प्रत्यक्ष लाभ बांटने की होड़ में आगे दिखा कर चुनाव जीत लेंगे। जबकि भाजपा इस बिंदु पर भी उन्हें ज्यादा जगह नहीं देती। इस पृष्ठभूमि में विपक्षी दलों के लिए असल विचारणीय प्रश्न यह है कि क्या बिना राजनीति की नई परिकल्पना किए और बिना राजनीति करने के नए तरीके ढूंढे वे कभी भी भाजपा को चुनौती दे पाएंगे? (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

बाल सुखाने के लिए आप भी करते हैं हेयर ड्रायर का इस्तेमाल?

सर्दियों में बाल सुखाने या हेयर स्टाइल के लिए हेयर ड्रायर का काफी इस्तेमाल किया जाता है। भीगे बालों से होने वाले नुकसान से बचने के लिए लगभग हर घरों में इसका इस्तेमाल किया जाता है। बता दें कि हेयर ड्रायर का इस्तेमाल आपके बालों की नेचुरल सुंदरता पर बुरा असर डाल सकता है। इससे आपके बाल रूखे-सूखे होने के साथ ही कई तरह से डैमेज भी हो सकते हैं।

हेयर ड्रायर के नुकसान

आंखों को नुकसान

हेयर ड्रायर से निकलने वाली हवा हमारी आंखों को बेहद नुकसान पहुंचाती है। इससे आंखों में जलन, खुजली, रेडनेस और ड्राईनेस होने लगती है। इससे ड्राई आई की समस्या हो सकती है।

सफेद बाल

अगर आप रोजाना हेयर ड्रायर का इस्तेमाल करते हैं तो इससे आपके बालों में मेलानिन की कमी हो सकती है, जो बालों की रंगत को प्रभावित करती है। इससे बाल सफेद होने लगते हैं।

डिहाइड्रेटेड स्किन

अगर आप मेट लिप्सटिक लगाने के लिए हेयर ड्रायर का इस्तेमाल करते हैं तो इससे आपकी स्किन डिहाइड्रेटेड हो सकती है। इसके अलावा आपके होंठ भी फट सकते हैं।

दो मुंहे बाल

बालों में हेयर ड्रायर का ज्यादा इस्तेमाल करने से दो मूहें बालों की समस्या भी बढ़ती है। इसके इस्तेमाल से बालों की नमी भी खत्म होने लगती है।

हेयर ड्रायर का इस्तेमाल करते समय इन बातों का रखें ध्यान

हेयर ड्रायर का इस्तेमाल करते समय बालों से इसकी दूसरी 6-9 इंच बनाकर रखें। इसके अलावा बालों के हिसाब से ही ड्रायर का इस्तेमाल करें और इसके तापमान का ध्यान रखें। बालों को हेयर ड्रायर से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए सबसे पहले इसमें सीरम जरूर लगाएं। रूखे और मेसी बालों के लिए ड्रायर का इस्तेमाल बिल्कुल न करें।(आरएनएस)

चाकू की धार को तेज़ करने के घरेलू तरीके

रसोई के काम को जल्द समाप्त करने के लिए हम तेज़ धार वाले चाकूओं का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कुछ दिनों के बाद चाकू मंद हो जाता है। ऐसे में चीज़ों को काटना मुश्किल हो जाता है। इसलिए, आज हम बोल्डसकाई पर चाकू की धार को तेज़ करने के कुछ आसान तरीके लेकर आए हैं। आप अपने आम चाकू को पत्थर या ईंट पर रगड कर तेज़ कर सकते हैं। लेकिन कुछ विशेष चाकू केवल शापनर की सहायता से तेज होते हैं। इसलिए आपको अपने चाकू का प्रकार भी पता होना चाहिए।

चाकू को तेज़ करने के बाद, उसे गर्म पानी के डिटर्जेंट के घोल में डुबाएं। फिर 15 मिनट के बाद, चाकू को डिटर्जेंट के घोल से निकालकर एक कप पानी व आधा कप विनगर के घोल में डुबाएं। यह उपाय आपके चाकू को जंग से बचाएगा एवं उसके ब्लेड को चमकदार बनाएगा। अतरू इन तरीकों पर एक नजर डालें और दिए गए उपकरणों की मदद से इन्हें आज़माएं।

चाकू की धार को तेज़ करने के लिए स्टील की या लोहे की शीट खरीदें। काम शुरू करने से पहले शीट को पानी से धोएं और पोंछ कर गर्म होने के लिए धूप में रखें। जब यह शीट अच्छे से गर्म हो जाए, इस पर चाकू की धार तेज़ करना आरंभ करें। घर्षण के कारण चिंगारियां उठेंगी, इसलिए ध्यान से काम करें।

लोहे का रॉड़ शीट ना होने पर आप लोहे के रॉड का इस्तेमाल कर सकते हैं। रेस्तरां में लोहे के रॉड का उपयोग मांस-मछली को काटने के लिए किया जाता है। इस उपकरण से चाकू को तेज करना बहुत आसान है।

रसोई के स्लैब पर लगे ग्रेनाइट के पत्थर को भी काम में लाया जा सकता है। चाकू को पत्थर पर रखें और ब्लेड के दोनों हिस्सों को पत्थर पर 20 सेकंडों के लिए लगातार रगड़ते रहें। इस प्रक्रिया में भी आपको चिंगारियां उठती नजर आएंगी।

खराब हुए चाकू को तेज करने के लिए आप बाज़ार से चाकू शापनर (नाइफ शापनर) खरीद सकते हैं। हालांकि, ये शापनर बहुत महंगे होते हैं और केवल कुछ प्रकार के चाकूओं को ही तेज़ करते हैं। ईंट के माध्यम से अपने चाकू को नवीन करना एक आसान व सरल उपाय होगा।

शब्द सामर्थ्य -015

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

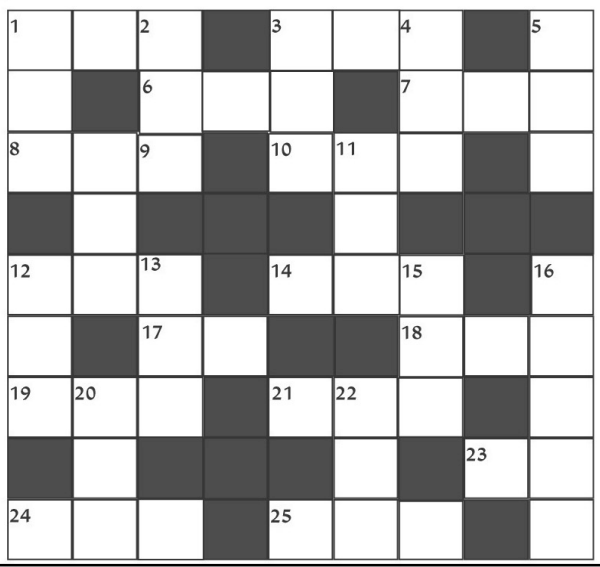

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 14 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

फिल्म खो गए हम कहां से सामने आई अनन्या पांडे की नई झलक

अनन्या पांडे की फिल्म खो गए हम कहा पिछले कुछ वक्त से चर्चा में है। इसमें सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव भी हैं। इन तीनों कलाकारों की तिकड़ी देखने के लिए दर्शक काफी उत्साहित हैं।खो गए हम कहां का प्रीमियर 26 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर होगा।अब फिल्म का नया पोस्टर सामने आया है, जिसमें अनन्या का शानदार अवतार देखने को मिल रहा है।इसी के साथ अनन्या ने बताया कि उनकी इस फिल्म का ट्रेलर कब आएगा।

अनन्या ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर खो गए हम कहां का नया पोस्टर साझा किया है। इसके साथ उन्होंने लिखा, शीशा या दीवार पर लगा शीशा, इनमें से सबसे अधिक पसंद कौन है? अहाना।इसके साथ अनन्या ने खुलासा किया कि खो गए हम कहां का ट्रेलर 3 दिन बाद यानी 1० दिसंबर को आएगा।खो गए हम कहां के जरिए अर्जुन वरन सिंह ने निर्देशन की दुनिया में कदम रखा है।कल्कि कोचलिन भी फिल्म का हिस्सा हैं। (आरएनएस)

बॉक्स ऑफिस पर एनिमल की सुनामी में भी डटी है सैम बहादुर

विक्की कौशल की फिल्म सैम बहादुर को 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था और यह दर्शकों के बीच अपनी छाप छोडऩे में कामयाब रही।फिल्म को समीक्षकों के साथ दर्शकों से भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है, लेकिन टिकट खिड?ी पर सैम बहादुर को रणबीर कपूर की एनिमल से भिड़ंत का नुकसान हुआ है।हालांकि, सैम बहादुर मजबूती से बॉक्स ऑफिस पर टिकी हुई है। सैम बहादुर का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया है। राजी के बाद मेघना और विक्की की साथ में यह दूसरी फिल्म है।फिल्म में सान्या मल्होत्रा भी हैं, जो अभिनेता की पत्नी सिल्लू मानेकशॉ बनी हैं।इसमें फातिमा सना शेख ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है।सैम बहादुर की कहानी भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारतीय सेना को जीत दिलाई थी।

डीप नेक ड्रेस में जान्हवी कपूर ने शेयर कीं अबतक की सबसे बोल्ड तस्वीरें

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने एक बार फिर अपनी बेहद बोल्ड तस्वीरें अधिकारिक इंस्टा अकाउंट पर पोस्ट की हैं. जान्हवी कपूर बॉलीवुड का एक जाना-पहचाना नाम बन चुकी हैं. जान्हवी कपूर अपने चार्मिंग और बोल्ड लुक के लिए भी फैंस के बीच काफी पॉपुलर हैं. सोशल मीडिया पर अक्सर जान्हवी अपनी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करती हैं और हाल ही में उन्होंने कुछ ऐसी तस्वीरें पोस्ट की हैं जिनमें एक्ट्रेस बेहद हॉट नजर आ रही हैं. चमचमाती हुई वनपीस ड्रेस में जान्हवी का किलर लुक देख फैंस भी हैरान हैं. जान्हवी की यह ड्रेस काफी डीपनेक भी है इसलिए उनका लुक काफी बोल्ड नजर आ रहा है. तस्वीरों में जान्हवी कपूर की बोल्डनेस देखकर फैंस कमेंट बॉक्स में अलग अलग तरह से एक्ट्रेस की तारीफ़ कर रहे हैं. तस्वीरों को पोस्ट कर जान्हवी कपूर ने कैप्शन में लिखा है- चलते-फिरते डिनर. तस्वीरें पर यूजर्स ने कई कमेंट किए हैं. किसी ने लिखा खूबसूरत तो किसी ने स्टंड अगेन. एक यूजर ने लिखा आप बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस हैं.(आरएनएस)

मेरा पहली नॉवेल विद्रोही लडकी के सुपरहीरो में बदलाव की कहानी है:हुमा

बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी अपनी पहली फैंटेसी नॉवेल जेबा -एन एक्सीडेंटल सुपरहीरो लेकर आई हैं, जिसके बारे में उनका कहना है कि यह एक दृढ़ इच्छाशक्ति वाली और विद्रोही लडकी के सुपरहीरो में बदलने की कहानी है।

जेबा के बारे में बात करते हुए, हुमा ने कहा, मैं हमेशा से नायकों के विचार और उनके जटिल, अस्त-व्यस्त जीवन से रोमांचित रही हूं। मेरा पहली नॉवेल एक दृढ़ निश्चयी, विद्रोही लडकी के सुपरहीरो में बदलाव की पड़ताल करती है, एक यात्रा जो सशक्त बनाने वाली है और अप्रत्याशित मोड़ों से भरी है।

बुक हार्पर कॉलिन्स द्वारा प्रकाशित की गई। उन्होंने कहा कि इनकी मदद से, मैं एक ऐसे करेक्टर और स्टोरी का निर्माण करने में सक्षम रही हूं जो मानदंडों को चुनौती देता है और हम सभी के भीतर की ताकत का जश्न मनाता है। यह एक रोमांचक यात्रा रही है, और मैं इस साहसिक यात्रा में पाठकों के मेरे साथ जुडऩे का इंतजार नहीं कर सकती।

हार्पर कॉलिन्स इंडिया की प्रकाशक पोलोमी चटर्जी कहती हैं, स्क्रीन और अन्य माध्यमों पर हुमा का करियर किसी प्रेरणा से कम नहीं रहा है। हमें उनकी पहली किताब जेबा प्रकाशित करके बहुत खुशी हो रही है, जिसमें उन्होंने अब तक चुनी गई हर भूमिका में अपना जुनून, स्वभाव और गहरी भागीदारी शामिल की है। (आरएनएस)

राची शर्मा ने अपने ड्रीम प्रपोजल के बारे में किया खुलासा

टीवी शो कुमकुम भाग्य की फेम एक्ट्रेस राची शर्मा ने शेयर किया कि वह रील लाइफ की तरह रियल लाइफ में भी अपनी सगाई की प्लानिंग करना चाहती है। रणबीर (कृष्णा कौल) और प्राची (मुग्धा चाफेकर) के जीवन में एक चौंकाने वाले मोड़ के बाद, कुमकुम भाग्य की पूरी कहानी अपने आप में बदल गई।

शो तेजी से 2० साल आगे बढ़ गया। अब शो की कहानी रणबीर- प्राची की बेटियों पूर्वी (रांची) और खुशी (सिमरन बुधरूप) के जीवन का अनुसरण करेगी।

शो के बारे में बात करते हुए, राची ने कहा-फिलहाल हम कुमकुम भाग्य में पूर्वी-आशुतोष के सगाई सीक्वेंस की शूटिंग कर

रहे हैं और मुझे लगता है कि मेजर सीक्वेंस में से एक का हाइलाइट मेरी ड्रेस और मेरी रिंग है, जो बहुत सुंदर है।

उन्होंने कहा, पूर्वी शो में ड्रेस और अपनी ज्वैलरी के साथ-साथ अपने घर को भी खुद ही चुनती हैं और यकीन मानिए मैं असल जिंदगी में भी अपनी सगाई की प्लानिंग करना चाहती हूं।

राची ने आगे कहा, इससे भी बड़ी बात यह है कि जब मैं बच्ची थी, तब से मैंने अपने ड्रीम प्रपोजल के बारे में सोचा हुआ है और मैं चाहती हूं कि मेरा पार्टनर मेरी रिंग और मेरी ड्रेस भी चुने। मैं चाहती हूं कि वह मेरे साथ मिलकर हर चीज की प्लानिंग करें, और जहां रील लाइफ में मेरा यह सपना पूरा हो गया है, तो मुझे उम्मीद है कि रियल लाइफ में भी यह सपना पूरा होगा। कुमकुम भाग्य जी टीवी पर प्रसारित होता है। (आरएनएस)

अक्षय कुमार की हाउसफुल 5 के लिए करना होगा और अधिक इंतजार

हाउसफुल 5' अक्षय कुमार की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। पॉपुलर फ्रेंचाइजी हाउसफुल ने अपनी हर फिल्म से दर्शकों को खूब हंसाया है। वहीं अब इस फ्रेंचाइजी की पांचवी किस्त का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांक फिल्म को लेकर जो अपडेट आया है उससे फैंस को झटका लग सकता है। दरअसल एंटरनमेंट और हंसी के डबल डोज से भरी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'हाउसफुल 5' की रिलीज डेट मेकर्स ने टाल दी है। चलिए यहां जानते हैं ये फिल्म अब कब सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अक्षय कुमार ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ ही खिलाड़ी कुमार ने तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित फिल्म हाउसफुल 5 की नई रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी है। पहली तस्वीर में अनाउंस किया गया है कि इंडिया की सबसे बड़ी कॉमेडी फ्रेंचाइजी जून 2०25 में बैक करेगी। इसके साथ ही एक और तस्वीर में टीम की ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी की गई है।

जिसमें लिखा गया है, हाउसफुल फ्रेंचाइज़ी की भारी सफलता का क्रेडिट

दर्शकों को जाता है, और हम हाउसफुल 5 के लिए भी इसी तरह के वेलतम की उम्मीद करते हैं। टीम ने एक बिल्कुल माइंड-ब्लोइंड कहानी तैयार की है जो मांग करती है टॉप लेवल का वीएफएक्स। इसलिए, हमने एक बेहतरीन सिनेमाई अनुभव के साथ पांच गुना एंटरटेनमेंट सुनिश्चित करने के लिए रिलीज डेट को आगे बढ़ाने का फैसला लिया है। 'हाउसफुल 5' अब 6 जून, 2०25 को रिलीज होगी।

बता दें कि पहले अक्षय कुमार स्टारर कॉमेडी फिल्म के अगले साल यानी दिवाली 2०24 पर बड़े पर्दे पर आने की उम्मीद थी। हालांकि लेटेस्ट अनाउंसमेंट के बाद फैंस को झटका लगा है। वहीं फिल्म की स्टार कास्ट की बात करें तो फिलहाल अक्षय कुमार और रितेश देशमुखे के नाम हाउसफुल 5 के लिए कंफर्म हुए हैं। रूमर्स हैं कि जॉन अब्राहम, अभिषेक बच्चन और बॉबी देओल भी अपकमिंग फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं। इन सबके बीच इस फ्रेंचाइजी के प्रति फैंस के प्यार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह पहली फ्रेंचाइजी होगी जिसकी पांच फिल्में होंगी। इस फ्रैंचाइज़ी की आखिरी किस्त, यानी, हाउसफुल 4, 2०19 में रिलीज़ हुई थी।

कांग्रेस बैठाती है मैनेजरों को सिर पर!

अजीत द्विवेदी

उत्तर भारत में क्यों कर कांग्रेस डूबी-1- किंवदंती की तरह दिल्ली के राजनीतिक जानकारों में चर्चा रही है कि 2014 में लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी चुनाव जीत गए तो उनके सलाहकार मैनेजर प्रशांत किशोर ने अपना भविष्य जानने के लिए अमित शाह से बात की। उन्होंने उनसे पूछा- मई के बाद क्या होगा? इस पर अमित शाह का टका सा जवाब था- जून होगा! यह बात भाजपा की ओर से प्रचारित हुई होगी। पर इससे जाहिर हुआ कि चुनाव में सर्वेक्षण करने वाले, चुनाव प्रबंधन का काम करने वाले, नारे गढने् और आकर्षक पोस्टर-बैनर-हार्डिंग बनवाने वाले या जनता के दिमाग में क्लिक होने वाले आइडिया देने वाले मैनेजरों और उनकी कंपनियों की राजनीतिक व्यवस्था में क्या जगह है। उन्हें किस हैसियत में रखा जाना चाहिए। निश्चित ही प्रशांत किशोर चुनाव प्रबंधन विधा में भारत के न्यूमेरो उनो हैं। गुरू हैं। लेकिन मोदी-शाह और भाजपा के सेटअप में, उसकी राजनीतिक व्यवस्था में चुनाव का काम खत्म होने के बाद प्रशांत किशोर को दूध में मक्खी की तरह बाहर फेंकने की वास्तविकता बहुत कुछ बताती है। भाजपा ने प्रशांत किशोर को न सिर पर बैठाया और न उनको हटाने के बाद मोदी-शाह का चुनावों में जीतना घटा।

इसके उलट कांग्रेस प्रशांत किशोर की लीक पर बने चुनावी मैनेजरों को ठेके देती है, उन्हें सिर पर बैठाती है और उन पर निर्भर हो कर एक के बाद एक चुनाव हार रही है। हाल में प्रशांत किशोर के सहयोगी रहे सुनील कनुगोलू ने कर्नाटक में कांग्रेस के लिए चुनाव प्रबंधन किया। और कर्नाटक में पार्टी जीती तो सुनील कनुगोलू न केवल कर्नाटक के मुख्यमंत्री के सलाहकार हो गए है, बल्कि वे कैबिनेट मंत्री का दर्जा ले कर कांग्रेस मुख्यालय में भी सुपर बॉस जैसी हैसियत में हैं। वे कर्नाटक में मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री से नीचे किसी से बात नहीं करते हैं। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में उन्होंने मध्य प्रदेश और तेलंगाना में कांग्रेस के लिए सर्वेक्षण और चुनाव प्रबंधन का काम किया। मध्य प्रदेश में उन्होंने संभावित उम्मीदवारों की जीत-हार के बारे में आकलन किया। उनकी रिपोर्ट से कमलनाथ-दिग्विजय सिंह अपनी तैयारियों, अपनी उम्मीदवार सूची को लेकर भ्रमित हुए। कमलनाथ जब सर्वे करने वाली अपनी टीमों की फीडबैक पर अड़े तो कलह हुई। तभी नैरेटिव बना कि कमलनाथ अहंकारी हैं और वे किसी की नहीं सुन रहे। दिग्विजय सिंह भी उनके आगे लाचार हैं।

जाहिर है मध्य प्रदेश में एक तरफ कमलनाथ ने सर्वे करने और चुनाव प्रबंधन करने वाली एजेंसियों को सिर पर बैठा रखा था तो दूसरी ओर कांग्रेस आलाकमान ने कमलनाथ के सिर पर सुनील कनुगोलू को बैठाना चाहा। कमलनाथ अहंकार से भरे हुए तो चुनाव मैनेजर भी अहंकार में।

ऐसा ही राजस्थान में था। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दशकों के अपने चुनावी अनुभवों, राजनीतिक विवेक को ताक में रख कर एक ऐसे मैनेजर से चुनाव प्रबंधन कराया, जिसको लेकर एआईसीसी, राहुल गांधी, सुनील कनुगोलू सब पहले से बिदके हुए थे। मगर गहलोत ने अपने पीए शशिकांत और एआईसीसी में पवन खेड़ा, प्रभारी सुखजिंदर रंधावा आदि की लॉबिंग से नरेश अरोड़ा की डिजाइन बॉक्स्ड को अपनी राजनीति सुपुर्द की। जबरदस्ती प्रदेश कांग्रेस कमेटी से उसका चुनाव ठेका करवाया। गहलोत के लिए काम शुरू करने से पहले अरोड़ा को लेकर हवा बनाई गई कि वहीं कर्नाटक में कांग्रेस की जीत का सूत्रधार हैं। एक तरफ कर्नाटक की जीत का श्रेय सुनील कनुगोलू ले रहे थे तो दूसरी ओर गहलोत के कान में नरेश अरोड़ा की महानता का बखान। ताकि उनका भाव बड़ा बने। मुख्यधारा के मीडिया में खबरें छपने लगीं कि राजस्थान के जादूगर अशोक गहलोत नहीं, बल्कि नरेश अरोड़ा हैं और वे राजस्थान का रिवाज बदलेंगे! 'इंडियन एक्सप्रेस' जैसे अखबारों ने भी विज्ञापन के बदले नरेश अरोड़ा पर खबरें छापीं कि वे मास्टर रणनीतिज्ञ हैं और उनसे कांग्रेस का माहौल बदला है। सोचें, भाजपा के लिए सर्वे और प्रबंधन का काम करने वाली आधा दर्जन एजेंसियों में से किसी को लेकर क्या यह लिखा या कहा जा सकता है कि जादूगर नरेंद्र मोदी, अमित शाह नहीं, बल्कि सर्वे करने वाली एजेंसी का मालिक है? क्या प्रशांत किशोर से लेकर कनुगोलू, नरेश अरोड़ा जैसे किसी भी मैनेजर की यह औकात, यह हिम्मत हो सकती है जो कहे कि उनके कारण मोदी, शाह या भाजपा जीतती है?

बहरहाल, चुनाव से ठीक पहले राजस्थान में पार्टी लाचार व ठप्प अवस्था में रही। नरेश अरोड़ा और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बीच झगड़ा होने की चर्चा थी। राजधानी में हल्ला रहा कि डोटासरा, रंधावा के आगे नरेश अरोड़ा ने राहुल गांधी को लेकर बहुत अंटशंट कहा, जिससे डोटासरा भड?। वे नाराज हो कर घर बैठ गए। गहलोत उन्हें मनाने उनके घर गए। घबराहट में गहलोत ने राहुल गांधी से सलाह मांगी। पर उन्होंने न राय दी और न हस्तक्षेप किया। सुनील कनुगोलू ने भी गहलोत के प्रस्ताव पर इनकार किया। नतीजतन एआईसीसी, प्रदेश कांग्रेस दोनों का मानों विधानसभा चुनाव से लेना-देना ही नहीं। सब कुछ नरेश अरोड़ा की डिजाइन बॉक्स्ड से हुआ। खुद मुख्यमंत्री गहलोत मानों अपने पीए शशिकांत और चुनावी ठेकेदार नरेश अरोड़ा की कठपुतली! जो वे कहें उसी अनुसार चलते हुए। इतना ही नहीं नरेश अरोड़ा ने सार्वजनिक तौर पर अपनी धमक बतलाते हुए सोशल मीडिया में लिखा कि डोटासरा के साथ बैठक की बातें काल्पनिक हैं। उन्होंने लिखा- मेरे मन में उनके और राहुल गांधी के प्रति अत्यंत सम्मान है। चुनाव से पहले कांग्रेस के अभियान को विफल करने की कोशिश करने वाले सफल नहीं होंगे। राजस्थान में कांग्रेस की जीत होगी। इस विवाद के बाद खबर आई कि डिजाइन बॉक्स्ड के एक कर्मचारी ने 20 लाख रुपए में कांग्रेस का सर्वे भाजपा को बेच दिया। हालांकि बाद में अरोड़ा की कंपनी ने खबर छापने वाले अखबार को एक सौ करोड़ रुपए का कानूनी नोटिस भेजा।

क्या ऐसा कुछ भी मोदी-शाह के केंद्रीय या भाजपा के प्रादेशिक संगठनों में संभव है? भाजपा के लिए कोई आधा दर्जन एजेंसियां चुपचाप काम करती हैं। एसोसिएशन ऑफ बिलियन माइंड्स के अलावा एक्सिस माई इंडिया के भी भाजपा के लिए काम करने की खबर है। खुद भाजपा की इन हाउस एजेंसियां हैं, जो हर चुनाव क्षेत्र के सर्वे करती हैं, अलग अलग क्षेत्रों की समस्याएं बूझती है, फिर उन्हें पार्टी और संभावित उम्मीदवारों को बताती हैं। लेकिन भाजपा के लिए सर्वे करने वाली एजेंसियों के मालिकों के बारे में यह कभी सुनने को नहीं मिला कि भाजपा की जीत में असली जादूगर चुनाव प्रबंधन करने वाली अमुक एजेंसी का मालिक है।

दूसरी तरफ कांग्रेस इक्का-दुक्का चुनाव जीतती है तो उसका श्रेय नेताओं की बजाए एजेंसियों को दिया जाने लगता है। सबको पता है कि कर्नाटक में कांग्रेस को सिद्धरमैया और डीके शिवकुमार और सियासी माहौल के कारण जीत मिली लेकिन कांग्रेस के ही नेताओं ने अपने निजी स्वार्थ और उन दोनों दिग्गज नेताओं का योगदान कमतर दिखाने के लिए सुनील कनुगोलू और नरेश अरोड़ा को जीत का श्रेय दिया। उसके बाद इन दोनों ने नेताओं के भी महागुरू होने के अंदाज में अपना धंधा बढ़ाते हुए दूसरे चुनावी राज्यों का प्रबंधन लिया। और नतीजा सामने है!

जाहिर है कई कई दशक के राजनीतिक अनुभव लिए कांग्रेस नेता अपनी राजनीतिक समझदारी और जमीनी पकड़ दोनों खो बैठे हैं। वे मीडिया और सोशल मीडिया में बनाए जाने वाले नैरेटिव से बिना सोचे-समझे प्रभावित हो जाते हैं। कांग्रेस के तमाम नेता इस गलतफहमी में जीते हैं कि प्रशांत किशोर ने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बना दिया या अमुक अमुक राज्य में उसने मुख्यमंत्री बना दिया तो वे या उनकी कंपनी से निकले मैनेजर कांग्रेस को भी सत्ता में ला देंगे। तभी कांग्रेस एक समय प्रशांत किशोर को सब कुछ (पूरा संगठन) सौंपने का फैसला लेने की कगार पर थी। कांग्रेस को उनकी विशेषज्ञता का इस्तेमाल नहीं करना था, बल्कि उन्हें पूरी पार्टी सौंप देनी थी!

और हालिया चुनाव में भी कांग्रेस के नेताओं ने पांच राज्यों के चुनाव इस भावना में बहते हुए लड़े कि सुनील कनुगोलू ने कर्नाटक की सत्ता दिलाई है तो मध्य प्रदेश और तेलंगाना में भी वे जीता देंगे या डिजाइन बॉक्स्ड ने कर्नाटक में काम किया है, पंजाब, हिमाचल की सीटों या असम चुनाव में काम किया या भारत जोड़ो यात्रा की मार्केटिंग की है तो राजस्थान में अशोक गहलोत से ज्यादा जादूगरी नरेश अरोड़ा कर दिखाएंगे! इस मोटी सोच में कांग्रेस ने सिल्वर पुश और निक्सन एडवर्टाइजिंग के साथ साथ नरेश अरोड़ा की डिजाइन बॉक्स्ड को ठेके दिए। संदेह नहीं है आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया के समय में चुनावी मैनेजरों की जरूरत है लेकिन कांग्रेस और भाजपा का यह फर्क है कि भाजपा इनका इस्तेमाल करती है जबकि कांग्रेस, एआईसीसी उनको अपने सर पर बैठा कर उनकी मनमानी बनवाती है। कांग्रेस के पास इन एजेंसियों की फीडबैक को वेरीफाई करने का कोई सामानांतर सिस्टम नहीं है, इसलिए वे जो भी रिपोर्ट देते हैं उसे आंख मूंद कर स्वीकार कर लिया जाता है। ये मैनेजर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को जनता, समर्थकों और यहां तक कि जिला, प्रदेश के नेताओं से पूरी तरह काट देते हैं। इसका खामियाजा कांग्रेस को 2014 के बाद से लगभग हर चुनाव में भुगतना पड़ा है।

कांग्रेस सिर्फ सर्वे करने वाली एजेंसियों और चुनाव प्रबंधन की कंपनियों को ही सिर पर नहीं बैठाती है, बल्कि एक खास समुदाय के लोगों के समर्थन से लाखों व्यूज बटोरने वाले यूट्यूबर्स, भाजपा के अंध विरोध में पगलाए सोशल मीडिया के कुछ इन्फ्लूएन्सर्स, दाढ़ी बढ़ा कर बौद्धिक बने कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं, वामपंथी पार्टियों के हाशिए में जाने से लगभग पूरी तरह से बेरोजगार हुए बैठे साम्यवादी विचारकों और मुख्यधारा की मीडिया से अलग हुए कुछ पत्रकारों को भी सर पर बैठाती है। ये सब लोग हर चुनाव से पहले माहौल बनाते हैं कि इस बार तो भाजपा हार ही रही है और ये कांग्रेस में सिर तक गैस भर देते है कि अब कांग्रेस और राहुल गांधी ही देश का नैरेटिव सेट कर रहे हैं, भारत का राजनीतिक परिदृश्य बदल रहा है और समय आ गया है कांग्रेस का। हैरानी की बात यह कि जमीनी संपर्क और समझ गंवा चुके कांग्रेस के नेता दूसरों की भरी गैस से अपना गुब्बारा फुला कर हवा में उड़ने लगते हैं। कांग्रेस में गैस भरने वाले इन यूट्यूबर्स, इन्फ्लूएन्सर्स, सामाजिक कार्यकर्ताओं, बौद्धिकों आदि पर कल चर्चा करेंगे।

यूक्रेन: आल इज़ नॉट वेल!

श्रुति व्यास

आल इज़ नॉट वेल। दिसंबर जरा भी खुशनुमा नहीं है। हवा में उदासी और निराशा घुली हुई है। सन् 2023, इतिहास बनने वाला है। दुनिया झमेलों में उलझी हुई है। कई देश मुसीबतों से जूझ रहे हैं। हमें बताया जा रहा है कि लोकतंत्र का भविष्य अंधकारमय है। अर्थव्यवस्थाएं थपेड़े खा रही हैं। दुनिया गर्म, और गर्म होती जा रही है। दो युद्ध जारी हैं। और ऐसा लगता है कि वे 2024 में भी जारी रहेंगे।

पिछली सर्दियों में शुरू हुआ रूस-यूक्रेन संघर्ष इन सर्दियों में दम तोड़ता सा लग रहा है। पश्चिमी और अन्य देशों का ध्यान अब इजराइल-हमास युद्ध की और मुडा हुआ है। इस युद्ध में धर्म का तड?ा लगा है और उसे 卐आतंकवाद के विरूद्ध लड़ाई卐 भी बताया जा रहा है। इसके विपीत, यूक्रेन पर हमले की प्रकृति विचारधारात्मक है। अमेरिका का ध्यान अन्यत्र केन्द्रित होने तथा जो बाईडन की राजनैतिक स्थिति में गिरावट के बीच यूक्रेन की मदद में अबयोरोपीय संघ (ईयू) का संकल्प भी कमजोर हो गया हैतभी 14 और 15 दिसंबर को आयोजित ईयू के शीतकालीन वर्षांत सम्मेलन को लेकर अनेक संशय हैं। इस वर्ष यूक्रेन को ईयू की सदस्यता और आर्थिक सहायता दी जानी थी। अब दोनों की संभावनाएं कम होती नजर आ रही हैं। इसकी एक वजह है हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान का एक बार फिर माहौल बिगाड़ने में जुटा होना। ओरबान यह दोहराते रहे हैं कि ईयू को यूक्रेन की सदस्यता से पहले उससे एक रणनीतिक भागीदारी समझौते पर हस्ताक्षर कराना चाहिए। इसलिए क्योंकि यूक्रेन को सदस्यता देने के ईयू पर क्या प्रभाव होंगे, इसका आकलन फिलहाल असंभव है।

सिर्फ ओरबान ही यूक्रेन की राह में रोड़ा नहीं हैं। उन्हें शीघ्र ही गीर्ट विल्डर्स के रूप में एक नया साथी मिलने वाला है जिन्होंने हालैंड में हुए चुनावों में 22 नवंबर को विजय हासिल की हैउधर जर्मनी में बजट से जुड़ी गड़बडियों से हालात और खराब हो रहे हैं और इसका ईयू की डावांडोल आर्थिक स्थिति पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

यद्यपि युद्ध का अधिकतर आर्थिक भार अमेरिका ने उठाया है किंतु ईयू ने यूक्रेनवासियों की आवास संबंधी जरूरतों की पूर्ति और वहां के राजनैतिक तंत्र को जीवित बनाए रखने में सहायता की है। अमेरिकी अनुमानों के अनुसार अमेरिका कुल मिलाकर यूक्रेन को 75 अरब डालर की सहायता दे चुका है वहीं यूरोपीय देश सामूहिक रूप से 100 अरब डालर से अधिक दे चुके हैं। ईयू ने जून में करीब 55 अरब डालर देने का वचन दिया था ताकि कीव में सरकार को कम से कम 2027 के अंत तक कंगाल होने से बचाया जा सके। लेकिन आने वाले दिनों और महीनों में धनराशि देने की गति धीमी हो सकती है। पहली बाधा ओरबान द्वारा खड़ी कर दी गई है, जो कई महीनों से यूक्रेन को नकद राशि दिए जाने का विरोध कर रहे हैं। समस्या यह है कि वे सदैव हर चीज को क्रेमलिन के नजरिए से देखने के लिए तत्पर रहते हैं। दूसरा मुद्दा यह है कि ब्रूसेल्स ने कई सालों से ईयू कहाँ पैसा खर्च करे, इस बारे में निर्णय प्रक्रिया से हंगरी को इस आधार पर अलग रखा है कि वह लोकतंत्र के पैमानों, जैसे स्वतंत्र न्यायपालिका पर खरा नहीं उतरा है। हालांकि ऐसी खबरें हैं कि यूक्रेन को अंततः नकद राशि मिल जाएगी, लेकिन उसमें देरी हो सकती है - वह भी 2024 की शुरूआत के उस खतरनाक समय के आसपास जब कीव को धन की कमी का सामना करना पड़ेगा। लेकिन जो बात यूक्रेन के खिलाफ जा रही है वह यह है कि युद्ध को लेकर थकावट महसूस की जा रही है या शायद इसकी वजह है एक अन्य युद्ध का शुरू हो जाना।तभी यूरोप ने युद्ध के शुरूआती दिनों में उसको लेकर जिस एकता का प्रदर्शन किया था वह बनी रहेगी. इसमें अब शंका है। और अमरीका का समर्थन लगातार जारी रहेगा इसका भी भरोसा नहीं है। इस सबके बीच व्लादिमीर पुतिन इस घटनाक्रम से खुश हैं। उनका दावा है कि पश्चिम के समर्थन से वंचित यूक्रेन को एक सप्ताह के अंदर कुचल दिया जाएगा।जाहिर है यदि यूरोप सर्वसम्मति से यूक्रेन का साथ देने के संकल्प पर कायम नहीं रहा तो 2023 एक भयावह स्थिति में समाप्त होगा और 2024 की शुरूआत ज्यादा अनिश्चितताओं, और ज्यादा खतरनाक परिदृश्यों के बीच होगी।

संयुक्त नागरिकसंगठन की सहयोगी द अर्थ एंड क्लाइमेट इनीशिएटिव की डॉक्टर आंचल शर्मा ने अकेले दम पर रिस्पना से रविवार को 300 किलो प्लास्टिक कूडा एकत्रित कर पर्यावरण प्रेमियों व सरकार को आईना दिखाया।

ऑनलाइन रुपये भेजने के नाम पर 36 हजार रुपये ठगे

संवाददाता

देहरादून। ऑनलाइन रूपये भेजने के नाम पर 36 हजार रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार साई कालोनी नत्थुवाला निवासी त्रेपन सिंह असवाल ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसको एक फो आया और फोनकर्ता ने अपना नाम विजयपाल बताते हुए कहा कि वह उनके अस्पताल में ही गार्ड की नौकरी करता है उसको किसी से 12 हजार रूपये लेने है वह उसके एकाउंट में डलवा रहा है जिसके बाद उसने उसको 10 हजार रूपये भेजे जिसके बाद उसने कहा कि दस हजार रूपये आपके एकांउट में भेज दिये हैं 2000 रूपये ओर भेज रहा हूं। जिसके बाद उसने फोन किया कि उसने दो हजार की जगह गलती से 20 हजार रूपये भेज दिये हैं वह उसको 18 हजार रूपये वापस कर दें जिसके बाद उसने उसके मोबाइल पर 18 हजार रूपये वापस भेज दिये। उसके बाद उसको फिर फोन आया कि वह 18 हजार रूपये वापस उसके खाते में चले गये हैं। जिसके बाद उसने दोबारा 18 हजार रूपये उसको भेज दिये। जिसके बाद उसको पता चला कि उसके खाते से रूपये कट गये हैं। उसने जब उक्त नम्बर पर सम्पर्क किया तो वह बंद मिला जिसके बाद उसको पता चला कि उसके साथ साइबर ठगी हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर महिला की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर महिला की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजा रोड निवासी विजेन्द्र वर्मा ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी मां ज्ञानवती उर्फ बबली किरन मसाला लक्खीबाग के यहां से आ रही थी वह जैसे ही लक्कडमण्डी जाने वाले रास्ते के पास एक अज्ञात वाहन द्वारा उक्त वाहन को तेजी व लापरवाही से चलाते हुए उसकी मां को टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी। जिसको महंत इन्द्रेश अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गयी।

मित्रा फाउंडेशन की अध्यक्ष एवं समाज सेविका ऋतु मित्रा ने दून मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में इलाज करा रहे उत्तरकाशी निवासी १०० वर्षीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री चिंदरियालाल राही जी का हाल-चाल जाना, एवं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से प्रार्थना की।

देश में न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन के मंत्र पर हो रहा है कामः बंसल

संवाददाता

देहरादून। सांसद राज्य सभा डा. नरेश बंसल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे जब से सरकार आई है वह न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन के मंत्र पर काम कर रही है।

आज यहां सासंद राज्य सभा डा. नरेश बंसल ने संसद मे 'निरसन और संसोधन विधेयक 2023' पर हो रही चर्चा मे भाग लिया। डा.नरेश बंसल ने भारतीय जनता पार्टी की ओर से संसद मे अपना पक्ष रखा। डा.नरेश बंसल ने चर्चा मे भाग लेते हुए कहा कि हमारे प्रधान सेवक नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे जब से सरकार आई है वह न्युनतम सरकार अधिकतम शासन के मंत्र पर काम कर रही है। गुलामी की मानसिकता वाली सभी चीजो के विरूद्ध अभियान चला व उन्हे हटाने व बदलने का काम हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी ने हर क्षेत्र मे स्वच्छता अभियान चलाया है व हर क्षेत्र मे शुचिता लाने व सुशासन लाने का काम किया है।

डा. नरेश बंसल ने कहा कि अंग्रेजो द्वारा बनाए कानून आज अप्रासंगिक है व केवल भारतीयो को प्रताड़ित करने के लिए थे जिन्हे आजादी के बाद बदला जाना चाहिए था परन्तु किसी ने ध्यान नही दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह पुराने बरडन हटाने का बीडा उठाया व इन्हे हर तरफ से बदलने व खत्म करने का काम किया है, चाहे 370 हो ,वन रेंक वन पेंशन का मुद्दा हो,नई शिक्षा निती, तीन तलाक हटाना आदि। इसी प्रकार कानून के अंदर 1486 कानून को निरस्त किया जो सब पर बोझ थे,जो जनता के लिए हरडल थे,दो सदस्यीय समिती की रिपोर्ट के आधार पर निरसित किया गया। डा. नरेश बंसल ने कहा कि कानून को निरसित करने का उद्देश्य इज आफ डुईग व इज आफ लिविंग के नागरिको को देना है। सासंद बंसल ने कानून मंत्री द्वारा रखे इस बिल का समर्थन किया व कहा कि हर क्षेत्र मे सरकारी हस्तक्षेप कम से कम हो व नागरिको को इसका पूरा लाभ मिले व इस पर मोदी सरकार काम कर रही है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर युवक की मौत

देहरादून (सं)। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर युवक की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ब्राहमणवाला निवासी पप्पू गडोही ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई अजयपाल कडोही आज प्रातः निरंजनपुर आईटीआई के पास से जा रहा था तभी उसको अज्ञात वाहन ने अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसको अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी।

सत्यापन व वारंट तामिल कराने के लिए अभियान 15 से

देहरादून (सं)। अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था,एपी अंशुमान द्वारा गैर जमानती वारण्ट/ कुर्की वारण्ट की तामील तथा किरायेदारों के सत्यापन सम्बन्धी में प्रगति लाये जाने हेतु 15 दिसम्बर, 2023 से 15 दिवस का विशेष अभियान की शुरूआत की जा रही है। आज यहां एपी अंशुमान, अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, उत्तराखण्ड द्वारा गैर जमानती वारण्ट एवं कुर्की वारण्ट की तामील की अध्यावधिक समीक्षा करने पर जनपदों में न्यायालय से जारी आदेशिकाएं अदम तामील दर्शाये जाने एवं किरायेदारों के सत्यापन में भी केवल औपचारिकताएं पूरी किये जाना ज्ञात हुआ। अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, उत्तराखण्ड द्वारा गैर जमानती वारण्ट/ कुर्की वारण्ट की तामील तथा किरायेदारों के सत्यापन सम्बन्धी में प्रगति लाये जाने हेतु 15 दिसम्बर, 2023 से 15 दिवस का विशेष अभियान की शुरूआत की जा रही है। जिसमें गैर जमानती वारण्ट/ कुर्की वारण्ट की अदम तामील वापस किये जाने पर कारणों की अलग से समीक्षा कर तामील सुनिश्चित करवायी जायेगी। इसी प्रकार किरायेदारों के सत्यापन में मात्र कागजी कार्यवाही न करक सम्बन्धित पत्ते पर भेजना तथा रिपोर्ट प्राप्त कर समय से आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

भाजपा है दाग धोने वाली वाशिंग मशीनः गोगी

संवाददाता

देहरादून। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष डा. जसविन्दर सिंह गोगी ने कहा कि भाजपा दाग धोने वाली मशीन है। भाजपा की सदस्यता लेते ही नेताओं के भ्रष्टाचार के दाग धूल जाते हैं।

आज यहां कांग्रेस महानगर अध्यक्ष डॉ जसविन्दर सिंह गोगी ने प्रेस वार्ता में कहा कि विरोध की आवाज को दबाने के लिए विपक्ष की मुखर आवाजों को एक एक करके टारगेट किया जा रहा है। सीबीआई, ईडी, आदि केंद्रीय एजेंसियों का पूरी तरह राजनीतिकरण करके विपक्ष को कमजोर किया जा रहा है। भाजपा के लोग हर तरीके की अनुचित गतिविधियों में लिप्त हैं पर केंद्रीय एजेंसियों को उनका भ्रष्टाचार नहीं दिखता। विपक्ष को नाहक नोटिस जांच इत्यादि के नाम पर परेशान किया जा रहा है। आश्चर्य की बात है कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, शुभेंदु अधिकारी, जितेंद्र तिवारी, अजित पवार, मुकुल रॉय सहित अन्य कई भ्रष्टाचार के आरोपी नेताओं की लम्बी फेहरिस्त है जो जब तक तो

❑भाजपा ज्वाइन करते ही धुल जाते हैं नेताओं के भ्रष्टाचार के पाप

विपक्ष में थे तभी तक भ्रष्टाचारी थे भाजपा या भाजपा गठबंधन में शामिल होते ही उन्हें भ्रष्टाचार उन्मूलक वाशिंग मशीन से नहलाकर पाप मुक्त कर दिया गया है तथा सीबीआई और ईडी जैसी केन्द्रीय ऐजेंसियों को आगे की कार्रवाई न करने के सख्त निर्देश दिये गये हैं।

गोगी ने उदाहरण देते हुए कहा कि असम में कांग्रेस की तरुण गोगोई सरकार में मंत्री रहते हुए हेमन्त बिस्वा सरमा पर शारदा चिटफंड घोटाले में सीबीआई ने केन्द्र की भाजपा सरकार के इशारे पर सरमा पर आरोप लगाया था कि शारदा ग्रुप से 20 लाख रुपए हर महीने लिए। इस मामले के तहत सीबीआई ने अंतिम बार सरमा से 27 नवंबर 2014 को पूछताछ की थी तथा हेमंत बिस्वा सरमा के अगस्त 2015 में बीजेपी ज्वॉइन करते ही सीबीआई ने उनकी फाइल बंद कर दी। ऐसे अनेक मामले हैं। अदालत में चल रहा स्मृति ईरानी की फर्जी डिग्री का मामला हो शिवराज सिंह चौहान के समय का व्यापम घोटाला हो, भाजपा आकण्ठ भ्रष्टाचार में डूबी है पर उसे अपने अपराध नजर नहीं आते। लेकिन इन हथकंडों से कांग्रेस झुकने वाली नहीं है।

प्रेस वार्ता में प्रदेश उपाध्यक्ष पूरन सिंह रावत ,प्रदेश महासचिव नवीन जोशी, मनीष नागपाल, आशीष नौटियाल, दिनेश कौशल, पूनम कंडारी आदि उपस्थित थे।

एक नजर

राज्यपाल ने किया गुजरात साइंस सिटी का भ्रमण

संवाददाता

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) गुरमीत सिंह ने गुजरात प्रवास के दौरान गुजरात साइंस सिटी का भ्रमण करते हुए कहा कि प्रत्येक भारतीय को एक बार यहां जरूर आना चाहिए। आज यहां राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने गुजरात प्रवास के अंतर्गत अहमदाबाद में स्थित 'गुजरात साइंस सिटी' का भ्रमण किया। राज्यपाल ने कहा की वैज्ञानिक जिज्ञासा के केंद्र के रूप में यह स्थान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स, शैक्षिक शो, समुद्री गैलरी पर इंटरैक्टिव प्रदर्शनों के साथ-साथ जल संपदा का संरक्षण, वैज्ञानिक अवधारणाओं को जीवन में लाने के लिए व्यापक अनुभव करने के साथ मनोरंजक और आकर्षक वातावरण प्रदान करता है। उन्होंने कहा की साइंस सिटी वैज्ञानिक प्रवृत्ति को और संभावित रूप से विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भविष्य के करियर को बढ़ावा देती है। यहां कोई भी व्यक्ति वैज्ञानिक सिद्धांतों को सीधे तौर पर समझ और अनुभव कर सकता है, जिससे वैज्ञानिक दुनिया की गहरी समझ और सराहना हो सकेगी। राज्यपाल ने कहा की यह स्थान देश के प्रधानमंत्री की ''विश्वगुरु'' भारत की दूरदर्शिता का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने कहा की प्रत्येक भारतीय को कम से कम एक बार यहां अवश्य आना चाहिए।

वरिष्ठ अधिकारियों का अभिवादन सही तरीके से करें: डीजीपी

संवाददाता

देहरादून। पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों का सही से अभिवादन नहीं किया जा रहा है, पुलिस एक अनुशासित बल है, अनुशासित बल द्वारा इस प्रकार का कृत्य कदापि उचित नहीं है। भविष्य में ऐसा देखा गया तो सम्बन्धित के खिलाफ कार्यवाही होगी।

आज यहां अभिनव कुमार, पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड द्वारा समस्त पुलिस अधिकारियों/ कर्मचारियों हेतु निर्देशित किया गया है कि अति विशिष्ट / विशिष्ट महानुभावों तथा वरिष्ठ अधिकारियों के भ्रमण के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिस कार्मिक अपनी ड्यूटी पर सतर्क न रहकर अन्य क्रिया कलापों यथा मोबाईल पर व्यस्त रहना, किसी अन्य व्यक्ति से बातचीत करना, किसी दुकान पर बैठे रहना आदि में समय व्यतीत करते हैं। अति विशिष्ट / विशिष्ट व्यक्तियों तथा वरिष्ठ अधिकारियों के भ्रमण जैसी महत्वपूर्ण ड्यूटी के दौरान इस प्रकार की लापरवाही बरतना अनुशासनहीनता का द्योतक है। इसी प्रकार की लापरवाही से सुरक्षा व्यवस्था में चूक हो सकती है। डियूटी के पर्यवेक्षण अधिकारियों द्वारा भी इस ओर ध्यान नही दिया जा रहा है। कतिपय पुलिस कर्मचारियों द्वारा अपने वरिष्ठ अधिकारियों का सही से अभिवादन नहीं किया जा रहा है, पुलिस एक अनुशासित बल है, अनुशासित बल द्वारा इस प्रकार का कृत्य कदापि उचित नहीं है। पुलिस महानिदेशक द्वारा अति विशिष्ट / विशिष्ट व्यक्तियो तथा वरिष्ठ अधिकारियों के भ्रमण के दौरान सतर्कता से ड्यूटी करने तथा वरिष्ठ अधिकारियों को सही से अभिवादन किये जाने हेतु अपने अधीनस्थ समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को आदेश का अनुपालन करने हेतु बताया गया एवं साथ ही यदि भविष्य में इस प्रकार की कोई लापरवाही पायी जाती है तो सम्बन्धित कार्मिक के विरुद्व अनुशासनात्मक कार्यवाही एवं सम्बन्धित पर्यवेक्षण अधिकारी का भी उत्तरदायित्व निर्धारित किये जाने के सम्बन्ध में बताया गया।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर युवक की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर युवक की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ब्राहमणवाला निवासी पप्पू गडोही ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई अजयपाल कडोही आज प्रात: निरंजनपुर आईटीआई के पास से जा रहा था तभी उसको अज्ञात वाहन ने अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसको अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्मार्ट फ्लाईंग हॉक से होगी शहर की निगरानी: अजय सिंह

संवाददाता

देहरादून। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि शहर की निगरानी अब स्मार्ट फ्लाईंग हॉक से की जायेगी तथा शोभायात्रा, जुलूस आदि की मॉनिटरिंग में भी यह सहायक साबित होगा।

आज यहां जनपद की यातायात व्यवस्था में प्रभावी सुधार हेतु एक नई पहल की शुरुआत करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा मुंबई की आईडिया फॉरेज टेक्नालॉजी लिमिटेड कंपनी से अनुबंध किया गया है। उक्त अनुबंध के तहत कंपनी द्वारा नगर क्षेत्र के सभी मुख्य मार्गो चकराता रोड, शिमला बायपास रोड, सहारनपुर रोड, हरिद्वार बायपास रोड, राजपुर रोड, ईसी रोड आदि क्षेत्रों की हाईटेक ड्रोनों की सहायता से लगातार निगरानी की जायेगी तथा उक्त स्थानों पर यातायात नियमों का उल्लंघन, नो पार्किंग में खड़े वाहनों, अस्थाई अतिक्रमण पर नजर रखते हुए प्रभावी कार्यवाही की जायेगी, इसके अतिरिक्त नगर क्षेत्र में निकलने वाली शोभा यात्राओं व जूलूसो की नियमित मॉनिटरिंग भी उक्त ड्रोनों की सहायता से की जाएगी। शुरुआत में पुलिस कार्यालय देहरादून तथा आईएसबीटी स्थित कंट्रोल रूम से 02 ड्रोनों का संचालन किया जाएगा तथा इस दौरान उक्त सभी मार्गों पर हो रही प्रत्येक गतिविधि पर आसमान से पुलिस द्वारा नजदीकी नजर रखी जाएगी। उक्त ड्रोन्स का लाइव एक्सेस जनपद के उच्च अधिकारियों के पास भी रहेगा, जिससे उनके द्वारा भी समय-समय पर ड्रोन की गतिविधियों और उसकी लाइव लोकेशन से मॉनिटरिंग की जा सके। आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा फ्लाईंग हॉक का विधिवत शुभारंभ किया गया, जिसके साथ ही उक्त ड्रोन के माध्यम से चिन्हित किए गए क्षेत्र की विधिवत मॉनिटरिंग की शुरुआत की गई है।

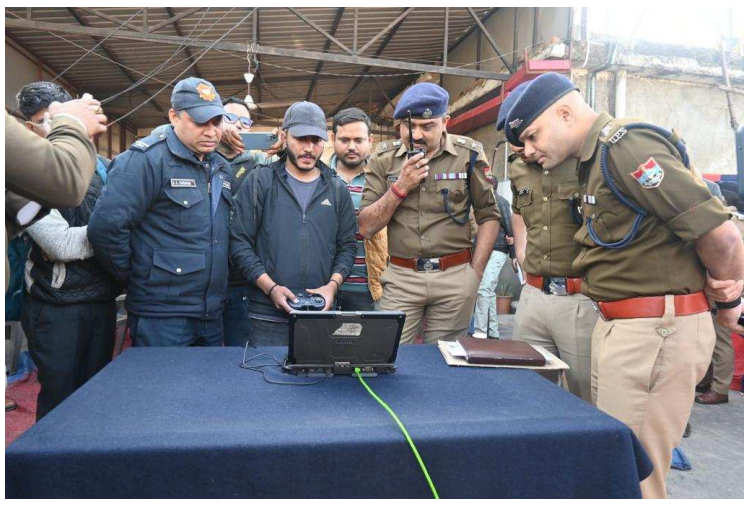

❑शोभायात्रा, जुलूस आदि की मॉनिटरिंग में होगी सहायक नई पहल

गोली चला छात्र को किया घायल

देहरादून (सं)। गोली चलाकर छात्र को घायल कर हमलावर फरार हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेघा काउंटी अपार्टमेंट मसूरी रोड निवासी अंकित सिंह ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह बीए ऑनर्स का छात्र है आज प्रात: लगभग पौने पांच बजे उसके पास एक अज्ञात नम्बर से फोन आया और उसको फ्लैट से नीचे रोड पर आने को कहा। जैसे ही वह और उसका दोस्त फ्लैट से नीचे पहुंचे तो वहां पर काले रंग की थार गाडी खडी थी उस गाडी में दो लोग बैठे थे जो उसको देखते ही बिना वजह गाली गलौच करने लगे और कहने लगे कि तू रीया से बात क्यूं करता है। उसने कहा कि वह उसकी क्लास मेट है। तभी ड्राइवर के बगल वाली सीट पर बैठे युवक ने गालियां देते हुए जान से मारने की नियत से उसके ऊपर पिस्तौल से फायर कर दिया जो उसको ना लगकर उसके साथ खडे उसके दोस्त अंजनी राय को लगी जिससे उसके दाहिने हाथ से गोली आरपार हो गयी। फायर करने के बाद दोनों लडके वहां से भाग गये। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग वहां पर आये जिनकी मदद से वह अपने दोस्त को अस्पताल में भर्ती कराया।

दोहरे हत्याकांड का खुलासा..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

जनपद हरिद्वार, आदेश पुत्र रुपचन्द निवासी नगला ईमरती कोतवाली रुड़की जनपद हरिद्वार के निवासी हैं। जिनके पास से एक तमंचा 32 बोर, एक जिन्दा कारतूस व खोखा कारतूस आदेश से बरामद हुए है एक तमंचा 315 बोर एक जिन्दा कारतूस व खोका कारतूस उज्जवल से बरामद हुआ हैं जो कि बैंक लूटने के लिए खरीदा गया था।

ट्रेन की चपेट में आकर हाथी की मौत, बच्चा गम्भीर घायल

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। रेल के इंजन की चपेट में आकर देर रात एक हाथी की मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि उसके साथ चल रहा एक बच्चा गम्भीर रूप से घायल हुआ है। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर हाथी के शव को कब्जे में ले लिया जबकि हाथी के बच्चे को रेस्क्यू कर उसे उपचार हेतू लालकुंआ लाने की तैयारी की जा रही है।

मामला लालकुंआ क्षेत्र का है मिली जानकारी के अनुसार यहां बीती देर रात्रि तराई केंद्रीय वन प्रभाग के टांडा जंगल से निकल कर रेल पटरी क्रॉस करते हुए तराई पूर्वी वन प्रभाग गौला रेंज क्षेत्र की तरफ जा रहे नर हाथी की ट्रेन के इंजन से टकराने से दर्दनाक मौत हो गई जबकि उसके साथ चल रहा करीब सात या आठ साल का बच्चा भी इस घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने घायल हाथी के बच्चे का रेस्क्यू प्रारंभ कर दिया है।

बताया जा रहा है कि बीती देर रात्रि करीब 3 बजे लालकुआं बरेली रेल खंड के श्मशान घाट के पास तेजगति से जा रहे रेल इंजन की चपेट में आने से रेल पटरी क्रॉस कर रहे एक हाथी की दर्दनाक मौत हो गई जबकि उसके साथ चल रहा बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया है मौके पर पहुंची गौला रेंज के वन क्षेत्र अधिकारी ने अपनी टीम के साथ रेस्क्यू अभियान चलाते हुए हाथी के बच्चे को इलाज के लिए लालकुआं लाने की तैयारी की जा रही है।

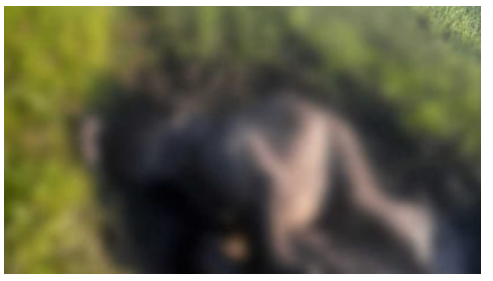

चोरों ने मकान से नगदी व जेवरात चोरी कर लिये

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान में घुसकर वहां से नगदी व जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार विध्या विहार निवासी पवन गुप्ता ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह व उसकी पत्नी, बच्चे सो रहे थे और च ोर ने उसकी पत्नी के पर्स से जेवरात और नगदी तथा उसकी जींस से रूपये चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।